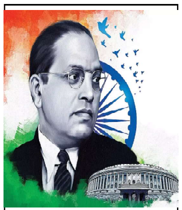

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 261 रविवार 14 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कात्यायनी: अमोघ फलदायिनी हैं मां दुर्गा की छठवीं शक्ति

चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी।।

नवरात्रि में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

इस देवी को नवरात्रि में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती पराम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया।

इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। ये वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं।

भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी। इसीलिए ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इनका स्वरूप अत्यंत भव्य और दिव्य है। ये स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं।

इनकी चार भुजाएं हैं। दाईं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में। मां के बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है।

एक नजर

बस्ती में हुआ आंख के ट्यूमर का ऑपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मेडिकल कॉलेज के ओपेक हॉस्पिटल कैली में पहली बार आंख के कैंसरयुक्त ट्यूमर का ऑपरेशन हुआ। आंख की ग्रंथि का ट्यूमर उन ग्रंथियों में से एक है जो आंसू पैदा करता है, इसे लैकिमल ग्रंथि ट्यूमर के नाम से जाना जाता है, जो पीड़ित मरीज के भौंह के बाहरी भाग के नीचे स्थित होता है।

मेडिकल कॉलेज कैली में आंखों में पानी गिरने की शिकायत को लेकर रामउजागिर (65) को भर्ती कराया गया । जांच के दौरान पता चला मरीज को लैक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर है स मरीज को पिछले एक साल से पानी गिरने की समस्या थी । समय से इलाज नहीं होने पर आंखों की रोशनी चली जाती है । नेत्र रोग विभाग के डॉ. रोहित शशि ने बताया रामउजगिर लैक्रिमल ग्रंथि के ट्यूमर से पीड़ित था। लैक्रिमल ग्रंथि के ट्यूमर हानिरहित और कैंसरयुक्त दो प्रकार के होते हैं। लैक्रिमल ग्रंथि सामान्य व कैंसरयुक्त होने की स्थिति आधी–आधी होती है।

मरीज रामउजागिर की लैक्रिमल ग्रंथि कार्सिनोमा (कैंसर) का एक दुर्लभ रूप था। भविष्य में यह कैंसरयुक्त ट्यूमर अक्सर आंख को आगे की ओर धकेलता, जिससे वह फूल जाती। कैंसरयुक्त ट्यूमर स्थानीय तंत्रिकाओं को प्रभावित करता, जिससे प्रभावित क्षेत्र में दर्द होता है। चिकित्सकों की टीम ने ऑपरेशन कर आखों के इस कैंसरयुक्त ट्यूमर को निकाला दिया। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. रोहित शशि, डॉ. प्रकाश कुमार रहे। डॉक्टरों ने बताया कि यह बस्ती मेडिकल कॉलेज के लिए इस तरह का पहला ऑपरेशन था।

भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा देने वाली मेघा इंजीनियरिंग पर सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा

नई दिल्ली (आभा)। इस्पात मंत्रालय तथा मेघा इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अधिकारियों पर 315 करोड़ रुपये की एनआईएसपी परियोजना में कथित भ्रष्टाचार को लेकर मामला दर्ज किया गया है। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को ये जानकारी दी। जांच एजेंसी ने बताया कि इसने 315 करोड़ रुपये की परियोजना के क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार को लेकर इस्पात मंत्रालय के एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट के आठ अधिकारियों सहित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित कार्यों के लिए मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी देने में लगभग 78 लाख रुपये की कथित रिश्वत दी। एफआईआर में एनआईएसपी और एनएमडीसी के आठ अधिकारियों और मेकॉन के दो अधिकारियों को भी कथित तौर पर रिश्वत लेने के लिए नामित किया गया है।

बता दें कि हाल ही में इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड खूब चर्चा में रही। हैदराबाद की कम प्रसिद्ध कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली दूसरी सबसे बड़ी दानदाता है। इसने वित्त वर्ष 2019–20 और 2023–24 के बीच कुल 966 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे। चुनावी बॉन्ड खरीदने के लिहाज से यह कंपनी दूसरे स्थान पर रही है।

इस गैर–सूचीबद्ध फर्म ने चुनावी बॉन्ड से भाजपा को सबसे अधिक लगभग 585 करोड़ रुपये का चंदा दिया था। कंपनी ने बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, डीएमके को 85 करोड़ रुपये और वाईएसआरसीपी को 37 करोड़ रुपये का दान दिया। टीडीपी को कंपनी से करीब 25 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले।

इस कंपनी की स्थापना 1989 में उद्योगपति पामीरेड्डी पिची रेड्डी ने मेघा इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज के रूप में की थी। वर्ष 2006 में इसने अपना नाम बदलकर मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कर लिया और बांध, प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्क, बिजली संयंत्र और सड़कों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सक्रिय हो गई।

मेधा ने बाबा साहब को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को मेधा प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के संयोजन में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के जयन्ती की पूर्व संध्या पर नगर पालिका परिषद के परिसर में स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया।

मेधा प्रवक्ता डी.डी. तिवारी ने कहा कि जिस तरह से बाबा साहब ने दलितों, वंचितों को उनका अधिकार दिलाने के लिये आखिरी सांस तक संघर्ष किया उसी कड़ी में मेधा द्वारा उत्तर प्रदेश के 20 लाख से अधिक वंचित छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति दिलाने के लिये संघर्षरत है। कहा कि लोकसभा चुनाव में मेधा छात्र हितों को लेकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को शिक्षा और छात्र वृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति के मुद्दे पर जन जागरण करेगी। प्रत्याशियों से भी आग्रह किया जायेगा कि वे अपने चुनाव अभियान में इसे भी मुद्दा बनाये।

बाबा साहब को नमन् करने वालों में उद्योग व्यापार मण्डल के जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', राहुल तिवारी, रूद्र आदर्श पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, विनोद कुमार मिश्र, बालजी श्रीवास्तव, अजीत पाण्डेय आदि शामिल रहे।

इजरायल और ईरान बने जानी दुश्मन

नई दिल्ली (आभा)। इजरायल और ईरान लंबे समय से प्रॉक्सी वॉर लड़ रहे हैं। वहीं अब स्थिति और गंभीर हो गई है और दोनों देश आमने–सामने की लड़ाई के लिए तैयार हैं। कह सकते हैं कि दुनिया एक महायुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान इजरायल पर हमले का पूरा मूड बना चुका है और उसने दर्जनों मिसाइलें तैयार कर ली हैं। वहीं अमेरिका कोशिश कर रहा है कि किसी तरह सऊदी अरब और चीन बातचीत करके युद्ध को रोकने का प्रयास करें। अमेरिका और भारत ने अपने नागरिकों को इजरायल और ईरान ना जाने की सलाह दी है।

गाजा में हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के दौरान भी ईरान खुलकर हमास का समर्थन करता रहा है। इसी को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। वहीं जब इजरायल ने सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमला कर दिया तो स्थिति गंभीर हो गई। दोनों देश युद्ध के लिए तैयार हो गए।

कुंआनो नदी के पास से मिला राजमिस्त्री का शव

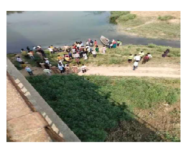

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के कैनपुरा डमरूआ जंगल निवासी राजमिस्त्री विश्राम (60) का शव शनिवार की सुबह कुआनो नदी के पास पड़ा मिला। राजमिस्त्री अपने घर से गुरुवार को निकला था। परिजनों ने इस मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजहों का खुलासा हो सकेगा। कैनपुरा डमरुआ जंगल गांव निवासी 60 वर्षीय विश्राम राजमिस्त्री का काम करता था। गुरुवार सुबह अपने घर से निकला था, लेकिन शाम तक नहीं लौटा। घरवालों ने खोजबीन शुरू कर दी।

दो दिन के तलाश के दौरान तीसरे दिन उसका शव मूड़घाट स्थित कुआनो नदी के पास मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र चौधरी के मुताबिक विश्राम के शरीर पर जाहिरा तौर पर कोई चोट आदि के निशान नहीं मिले हैं। डेडबाडी दो दिन पुरानी जान पड़ रही है। घरवालों से पूछताछ में पता लगा है कि गुरुवार को घर से बिना किसी को जानकारी दिए ही निकल गया था। उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका था। एसएचओ ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भर कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। घटना की जांच–पड़ताल की जा रही है।

समाधान नहीं समस्या है कांग्रेस– योगी

हल्द्वानी (आभा)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस समाधान नहीं समस्या की पार्टी है। कहना था कि भारत की आजादी के बाद से कांग्रेस ने देश के लिए अनेक समस्याएं खड़ी कीं हैं। कहा कि भ्रष्टाचार, आंतकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद आदि मुद्दे कांग्रेस पार्टी की ही देन हैं। कांग्रेस के कार्यकाल पर उंगली उठाते हुए सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या विवाद भी कांग्रस की ही देन है। लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तराखंड के हल्द्वानी में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए आई है।

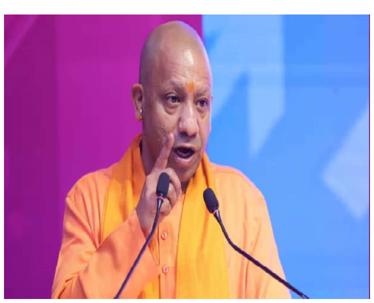

कांग्रेस पर जमकर प्रहार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे, जो बहुत ही शर्मनाक बात है। चाहे तीन तलाक की बात हो या फिर जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाने की बात हो, कांग्रेस ने हमेशा से ही सवाल खड़े किए हैं। सीएम योगी का कहना था कि पीएम मोदी के कार्यकाल में देश का विकास हुआ है। कहा कि बीजेपी समस्या नहीं बल्कि समाधान की पार्टी है। बीजेपी ने पिछले 10 सालों में देश हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर जोरदार हुंकार भरी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बदमाशों के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम योगी ने साफतौर से चेतावनी देते हुए कहा कि बेटियों या व्यापारियों को परेशान करने वाले बदमाशों की जगह जेल या फिर जहन्नुम में होगी। चेताया कि बदमाशों के खिलाफ यूपी सरकार जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ठोस रणनीति बनाकर कार्य कर रही है। अयोध्या में श्री राम मंदिर के बाद काशी विश्वनाथ कॉरीडोर का भी विकास किया जा रहा है।

मथुरा, बरसाना, गोकुल आदि तीर्थ स्थलों के सौंदर्यीकरण पर सरकार का विशेष फोकस है। सीएम योगी ने कहा कि पहले कांवड़ यात्रा बदमाशी के साये में होती थी, लेकिन अब यात्रा 'बम–बम' की गूंज के बीच होती है। कहना था कि यूपी में अब कांवड़ यात्रा पूरी तरह से सकुशल व सुरक्षित संचालित होती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में देश के विभिन्न राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है। कहना कि देश के सीमांत क्षेत्रों में सड़कों के जाल से लेकर पुलों और सुरंगों का निर्माण किया गया है। देश के एक राज्य से दूसरे राज्यों को जोड़ने के लिए रेल, सड़क और हवाई यात्रा का नेटवर्क पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका बचपन उत्तराखंड में बीता है। बचपन की यादें ताजा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि खाना बनाने के लिए जंगल में लकड़ी लेने का कड़ा संघर्ष होता है। चिंता की बात थी कि कांग्रेस सरकार गरीब तबके के लोगों को मिट्टी का तेल तक मुहैया नहीं करवा पाती थी।

लेकिन, अब बीजेपी की केंद्र सराकर उज्जवला योजना से रसोई गैस मुहैया करवा रही है। कहा कि इस योजना से महिलाओं को काफी लाभ पहुंचा है। योगी ने कहा कि पीने का पानी लेने के लिए मीलों चलना पड़ता था लेकिन अब केंद्र सरकार की बदौलत हर नल जल की सुविधा उपलब्ध है।

प्रियंका गांधी का वादा: केंद्र में आते ही अग्निवीर योजना समाप्त करेंगे

नैनीताल (आभा)। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चुनावी भाषणों में उत्तराखंड को देवभूमि भले ही कहते हों, लेकिन देवभूमि के लोगों पर संकट आने पर प्रधानमंत्री और उनके सांसद–मंत्री कहीं नजर नहीं आते हैं।

आरोप लगाया कि महिला सशक्तिकरण का नारा देने वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही अंकिता भंडारी हत्याकांड समेत हाथरस, उन्नाव जैसे जघन्य अपराध हुए। प्रियंका ने कहा कि ऐसी हालत में अब बारबार मोदी सरकार नहीं चलेगी।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में रामनगर के पीरूमदारा किसान इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोहित रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि भाजपा हर बार कांग्रेस को ही दोष देती रहती है, जबकि पिछले दस साल से केंद्र में उसी की सरकार है।

अब चुनाव आते ही सिलेंडर सस्ता करने, किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार देने के वादे किए जा रहे हैं। प्रियंका ने लोगों से कहा कि जब प्रधानमंत्री उत्तराखंड प्रचार के लिए आएं तो उनसे सवाल पूछें कि उन्होंने अपने पिछले वादे क्यों पूरे नहीं किए? कहा कि प्रधानमंत्री के काम और भाषण में काफी अंतर है।

मंच, टीवी, विज्ञापन और होर्डिंग में जैसे वो दिखते हैं, वैसे हैं नहीं। अब जनता चाहती है कि वादों पर नहीं बल्कि मुद्दों पर चुनाव लड़ा जाए। प्रियंका ने गढ़वाल सीट पर चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल, अल्मोड़ा सीट के प्रत्याशी प्रदीप टम्टा और नैनीताल–ऊधमसिंह नगर सीट के प्रत्याशी प्रकाश जोशी को वोट देने की अपील लोगों से की। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस यदि केंद्र में आती है तो सबसे पहले अग्निवीर योजना रद की जाएगी। पेपर लीक के लिए सख्त कानून बनाया जाएगा। केंद्र सरकार में रिक्ति 30 लाख पदों को भरा जाएगा। खेती–किसानों से जुड़ा सामान जीएसटी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। कहा कि युवाओं को स्टार्टअप के लिए कांग्रेस सरकार पांच हजार करोड़ का फंड भी देगी।

यह चुनाव संविधान, लोकतंत्र बचाने का है–अखिलेश

लखनऊ (आभा)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी रैलियों और जनसभा की धार को तेज कर दिया है। पश्चिमी यूपी से शुरू हुईं रैलियों में अखिलेश यादव ने भाजपा को निशाने पर रखा है। शनिवार को बिजनौर में आयोजित जनसभा में पहुंचे अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर प्रहार किया है। अखिलेश यादव ने शनिवार को 2024 के लोकसभा चुनाव को संविधान और लोकतंत्र को बचाने वाला चुनाव करार दिया। बिजनौर के नहटौर में सपा उम्मीदवार दीपक सैनी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, श्यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। एक समय में 'समुद्र मंथन' हुआ था और यह 'संविधान मंथन' का समय है। उन्होंने कहा, 'एक तरफ ऐसे लोग हैं जो संविधान की रक्षा करना चाहते हैं और दूसरी तरफ ऐसे लोग हैं जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं।

यादव ने भाजपा सरकार की नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा, श्बेरोजगारी चरम पर है, 90 प्रतिशत लोग बेरोजगार हैं। न नौकरी है न रोजगार और ये विश्व गुरु बनने की बात करते हैं।' यादव ने तंज कसा, 'प्रदेश में कोई परीक्षा हो पेपर लीक होता ही है। पेपर लीक होने से परीक्षाएं निरस्त हो रही हैं।' सपा प्रमुख ने दावा किया, 'परीक्षा निरस्त होने से प्रभावित परिवार के हर संसदीय क्षेत्र में लगभग दो लाख वोट होंगे जो भाजपा को हराएंगे।श उन्होंने कहा, जिसे चंदा मिल रहा है, उसका धंधा चल रहा है। अखिलेश यादव यहीं नहीं रुके। उन्होंने नाम लिए बगैर चंद्रशेखर आजाद को भाजपा का मददगार बताया। चंद्रशेखर की सिक्योरिटी बढ़ाने जाने पर अखिलेश ने कहा, हमारी सिक्योरिटी छीनी जा रही है, जिन्हें जरूरत नहीं उन्हें दी जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, श्भाजपा, सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) का सहारा लेकर चंदे की जगह वसूली कर रही है। 10 हजार करोड़ चंदा भाजपा ने वसूल किया है। बाजार की महंगाई चंदा वसूली की ही है।श यादव ने श्सरकार में शामिल लोगों पर उनकी भाषा के लिए भी हमला बोला। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं पता कि सरकार में शामिल लोगों ने अपनी भाषा कहां से सीखी है। उनकी भाषा किसी ऐसे व्यक्ति की तरह नहीं लगती जिसने संविधान की शपथ ली हो।श तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के बारे में यादव ने कहा, 'हमारे किसान लगभग दो वर्षों तक विरोध में बैठे रहे और सरकार ने उन्हें रोकने के लिए सब कुछ किया। लेकिन जब 2022 के विधानसभा चुनाव आए तो वे डर गए और कृषि कानूनों को रद्द कर दिया।

सपा प्रमुख ने दावा किया, 'अगर ये लोग 400 सीट जीतेंगे तो वे फिर से कृषि कानून लाएंगे और अपने किसानों की उपज छीन लेंगे और उद्योगपतियों को बेच देंगे।' बिजनौर में सपा प्रत्याशी दीपक सैनी का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के चंदन चौहान से है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने इस सीट से चौधरी विजेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को बिजनौर में मतदान होगा।

मुफ्त राशन गरीबों के साथ मजाक– मायावती

हरिद्वार (आभा)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जनविरोधी हैं। धर्म की आड़ में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया गया। सरकार पांच किलो मुफ्त राशन देकर गरीबों के साथ मजाक कर रही है। गरीब को राशन के साथ–साथ रोजगार चाहिए। शनिवार को हरिद्वार जिले के रुड़की में लिब्बरहेड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए बसपा सुपीमो ने बसपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहा कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने अल्पसंख्यकों के साथ छलावा किया है।

मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर बराबर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ही दलों ने जातिवादी मानसिकता के साथ काम किया है। इन्होंने लोगों का विकास नहीं किया बल्कि केवल वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया। उन्होने ईवीएम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि ईवीएम मशीनों में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। फ्री और फेयर चुनाव हुए तो भाजपा का दोबारा केंद्र की सत्ता में लौटना आसान नहीं होगा।

बसपा के दयाशंकर बने भाजपा के लिये चुनौती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रत्याशी घोषित होने के साथ ही भाजपा से बागी होकर बसपा के प्रत्याशी बने दयाशंकर मिश्र ने तैयारियां तेज कर दिया है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती पर बसपा ने जोरदार तैयारियां की है। दयाशंकर मिश्र की उपस्थिति ने भाजपा की मुश्किल बढा दिया है।

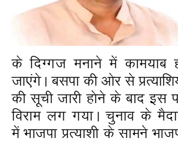

ज्ञात रहे कि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र ने अपने सियासी सफर के दौरान हमेशा भाजपा का ही झंडा ढोया। उनका शुमार भाजपा के दिग्गज नेताओं में होता था। अचानक उनके बसपा में शामिल होने के बाद इस बात की अटकलें जोर पकड़ने लगी थी कि दयाशंकर मिश्र लोकसभा चुनाव में बसपा के प्रत्याशी होंगे। उनके प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर भाजपा खेमे में भी चर्चाएं जोर पकड़ रही थीं।

एक खेमा यह मान रहा था कि देर–सबेर दयाशंकर मिश्र को भाजपा के दिग्गज मनाने में कामयाब हो जाएंगे। बसपा की ओर से प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद इस पर विराम लग गया। चुनाव के मैदान में भाजपा प्रत्याशी के सामने भाजपा से बागी होकर बसपाई बने दयाशंकर कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

दयाशंकर मिश्र ने कहा कि वर्ष 2017 में वह विधानसभा का टिकट मांग रहे रहे थे। लेकिन, पार्टी ने चुनाव में उनका इस्तेमाल कर उन्हें नजरअंदाज कर दिया। पार्टी की तरफ से उनसे कहा गया कि पहले सरकार बनवाइए फिर आपके लिए पार्टी कुछ बेहतर करेगी। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी लेकिन उन्हें भुला दिया गया। उन्होंने कहा कि उनके बसपा में शामिल होने की सुगबुगाहट फैली तो पार्टी की ओर से कई कद्दावर नेताओं के फोन कॉल्स आए लेकिन अब वह मरते दम तक बसपा में ही रहेंगे। दयाशंकर मिश्र ने अपने फेसबुक वाल पर लिखकर अपनी पीड़ा और मंशा जाहिर कर दी थी। उन्होंने लिखा था कि 'सबको लड़ने ही पड़े अपने–अपने युद्ध, चाहे राजा राम हों चाहे गौतम बुद्ध। बहरहाल यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि बसपा कितना प्रभावशाली हो पायेगी।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 अप्रैल 2024 रविवार

सम्पादकीय

बाबा साहब का संघर्ष

डॉ भीमराव अम्बेडकर को हमारे देश में एक महान व्यक्तित्व और नायक के रुप में माना जाता है तथा वह लाखों लोगों के लिए वो प्रेरणा स्रोत भी है। बचपन में छुआछूत का शिकार होने के कारण उनके जीवन की धारा पूरी तरह से परिवर्तित हो गयी। जिससे उन्होंने अपने आपको उस समय के उच्चतम शिक्षित भारतीय नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया और भारतीय संविधान के निर्माण में भी अपना अहम योगदान दिया। भारत के संविधान को आकार देने और के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर का योगदान सम्मानजनक है। उन्होंने पिछड़े वर्गों के लोगों को न्याय, समानता और अधिकार दिलाने के लिए अपने जीवन को देश के प्रति समर्पित कर दिया। अम्बेडकर का प्रारंभिक जीवन और शिक्षा संघर्षपूर्ण रहा , उन्हें छुआछूत , ऊंच नीच आदि का बचपन से ही सामना करना पड़ा।उन्हें अपने ही सहपाठियों और समाज के तिरस्कार का सामना करना पड़ा। बड़ोदा के राजा द्वारा छात्रवृत्ति की सहायता मिलने पर उन्होंने विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त की और एक महान वकील बनकर भारत लौटे।

अक्सर डॉक्टर अंबेडकर और उनके निर्देशन में निर्मित संविधान चर्चा का विषय बने रहते हैं। वर्तमान हालात में भी विपक्ष सोचता है कि यदि मौजूदा सरकार फिर सत्ता में आई तो वह इस संविधान को बदल डालेगी परन्तु सरकार इस बात से इंकार करती रही है। भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में ऐसे मुद्दों पर आशंकाएं व चर्चा होना स्वाभाविक भी है। फिलहाल, इस स्थिति को यहीं छोड़ते हुए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व पर ध्यान देना समीचीन होगा।

भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। एक निर्धन परिवार से थे परन्तु अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, गहन ज्ञान और छात्रवृत्ति के बलबूते उनकी सारी उच्च शिक्षा अमेरिका स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी और फिर ब्रिटेन में हुई। उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि के साथ कानून की शिक्षा भी प्राप्त की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वे बीसवीं शताब्दी में सबसे अधिक पढ़े–लिखे विद्वान थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अमेरिका और लंदन में सब जातियों में बराबरी और भाईचारे का अनुभव किया परन्तु जब वे 1917 में भारत लौटे तो एक विचित्र नक्शा उनकी आंखों के सामने आया। जाति, धर्म, भाषा के भेदभाव ने उनकी आत्मा को झकझोर कर रख दिया। हालांकि वे काफी हद तक तो इस समस्या को अपनी बाल्यावस्था में ही देख चुके थे।

संविधान के 'जनक' कहे जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश में हुआ। उनके साथ स्कूल में बहुत भेदभाव किया जाता था। यहां तक कि उनको कक्षा से दूर बैठाया जाता। वे उस नल से पानी भी नहीं पी सकते थे जिससे आम विद्यार्थी पीते थे। जल्दी ही वे मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र चले गए जो फिर जीवनभर उनकी कार्यस्थली रही। इसके बाद तो उन्होंने समाज सुधार का बीड़ा भी उठा लिया। अनुसूचित जातियों का उत्थान उनका एकमात्र लक्ष्य बन गया था। इस आशय को लेकर उनके कई लेख समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए।

डॉ. अंबेडकर ने कई पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया जिनमें मूकनायक, बहिष्कृत भारत और जनता प्रमुख हैं। उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' का गठन किया और अनुसूचित जातियों की दशा पर विस्तृत प्रकाश डाला। वे मानते थे कि हिन्दू धर्म ग्रन्थ मनुस्मृति ही इस भेदभाव का मूल सूत्रधार है। देशभर में घूमकर उन्होंने अनुसूचित जातियों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया। डॉक्टर अंबेडकर महात्मा गांधी से इस बात को लेकर रुष्ट थे कि उन्होंने अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए कुछ खास व पर्याप्त नहीं किया। उन दिनों जब गांधी जी के नेतृत्व से कोई बड़े से बड़ा नेता भी उलझ नहीं पाता था, अंबेडकर ने अपनी आवाज उठाई। अब तक अंबेडकर अनुसूचित जातियों के नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। उन्हें 1930, 1931 और 1932 की गोलमेज कान्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया। गांधीजी ने विरोध किया परन्तु सब बेअसर। गोलमेज कान्फ्रेंस के उपरांत 'कम्युनल अवार्ड' की घोषणा हुई। गांधी जी देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद थे। उन्होंने आमरण अनशन आरंभ कर दिया। अब तो सारा देश अंबेडकर पर दबाव डालने लगा कि वह गांधी जी से मुलाकात करें। अंततः यह मुलाकात 22 सितम्बर, 1932 को हुई और पूना पैक्ट के रूप में एक समझौता सामने आया। गांधी जी की जान बच गई जबकि अंबेडकर अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र लेने में सफल हुए। फिर भी गांधी और अंबेडकर में मनमुटाव तो जारी ही रहा।

बहरहाल, यह गौर करने लायक बात है कि अंबेडकर ने एक दिन भी स्वतंत्रता संग्राम में जेल नहीं काटी। देश–समाज की सेवा व उन्नयन का मकसद साधने का उनका तरीका अलग ही था। दरअसल, उनके बड़े हथियार थे– अनुसूचित जातियों का नेतृत्व, तीक्ष्ण बुद्धि और कानून पर पकड़। इसी बलबूते बाद में उन्हें संविधान के प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष के रूप में एक तरह से संविधान निर्माण हेतु आमंत्रित किया गया। जो संविधान हम आज देखते हैं वो बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। उनकी कानून पर पकड़ और सूझ–बूझ को देखते हुए पंडित नेहरू ने उनको अपनी सरकार में सम्मिलित किया। वे 1951 तक कानून मंत्री रहे परन्तु फिर पंडित नेहरू से गंभीर मतभेद होने पर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया।

वर्ष 1952 में लोकसभा के लिए चुनाव में सफलता नहीं मिली। राज्यसभा के लिए मनोनीत किये गए परन्तु चुनाव की राजनीति से दिल उकता गये। वे अस्वस्थ रहने लगे। वहीं उनकी इच्छा के अनुसार अनुसूचित जातियों का उत्थान भी नहीं हो रहा था। उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ 14 अक्तूबर, 1956 में नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाया। फिर 6 दिसंबर को उनका देहांत हो गया। साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'भारत रत्न' से नवाजा गया। हजारों कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय डॉ. अंबेडकर के नाम पर स्थापित किये गए। देश–विदेश में इनकी पहचान बनी। ऐसे व्यक्तित्व के धनी डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतवर्ष के इतिहास में सदैव अमर रहेंगे।

भाषा के प्रति बाबा साहब का दृष्टिकोण

—लोकेन्द्र सिंह—

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिए भाषा का प्रश्न भी राष्ट्रीय महत्व का था। उनकी मातृभाषा मराठी थी। अपनी मातृभाषा पर उनका जितना अधिकार था, वैसा ही अधिकार अंग्रेजी पर भी था। इसके अलावा बाबा साहेब संस्कृत, हिंदी, पर्शियन, पाली, गुजराती, जर्मन, फारसी और फ्रेंच भाषाओं के भी विद्वान थे। मराठी भाषी होने के बाद भी बाबा साहेब जब राष्ट्रीय भाषा के संबंध में विचार करते थे, तब वे सहज ही हिन्दी और संस्कृत के समर्थन में खड़े हो जाते थे। महाराष्ट्र के अस्पृश्य बंधुओं से संवाद करना था, तब उन्होंने मराठी भाषा में समाचारपत्रों का प्रकाशन किया। जबकि उस समय के ज्यादातर बड़े नेता अपने समाचारपत्र अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित कर रहे थे। बाबा साहेब भी अंग्रेजी में समाचारपत्र प्रकाशित कर सकते थे, अंग्रेजी में उनकी अद्भुत दक्षता थी। परंतु, भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और अपने लोगों से अपनी भाषा में संवाद करने के विचार ने उन्हें मराठी में समाचारपत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया होगा। यदि बाबा साहेब ने अंग्रेजी में समाचारपत्रों का प्रकाशन किया होता, तब संभव है कि वे वर्षों से 'मूक' समाज के 'नायक' न बन पाते और न ही उनके हृदय में स्वाभिमान का भाव जगा पाते। वहीं, जब उनके सामने राष्ट्रभाषा का प्रश्न आया, तब उन्होंने अपनी मातृभाषा की ओर नहीं देखा, वे भाषा के प्रश्न पर भावुक नहीं हुए, बल्कि तार्किकता के साथ उन्होंने हिन्दी और संस्कृत को राष्ट्रभाषा के रूप में देखा।

संविधान निर्माण के समय जब राष्ट्रभाषा और राज्य व्यवहार की अधिकृत भाषा का विषय आया, तब संविधान सभा में बाबा साहेब ने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया। इस प्रस्ताव के समर्थन में लक्ष्मीकान्त मैत्र, टी. टी. कृष्णमाचारी, डॉ. बालकृष्ण केसकर (तत्कालीन विदेश उपमन्त्री), प्रा. नजीरुद्दीन अहमद, डॉ. अम्बेडकर तथा मद्रास–त्रिपुरा–मणिपुर–कुर्ग प्रान्तों के सदस्य थे। प्रा. नजीरुद्दीन अहमद ने संस्कृत का समर्थन करते हुए इस प्रस्ताव को सदन के पटल पर रखा और कहा कि एक ऐसे देश में जहां ढेरों भाषाएं बोली जाती हैं, वहां यदि एक भाषा को पूरे देश की भाषा बनाना चाहते हैं तो जरूरी है कि वह निष्पक्ष हो। उन्होंने पश्चिमी विद्वानों के उद्धरण देकर भी संस्कृत भाषा की अतुलनीय समृद्धि एवं शुद्धता को भी प्रमाणित किया। संस्कृत प्रा. शाहिदुल्ला ने तो यहाँ तक कहा कि व्यक्ति किसी भी वंश का हो, संस्कृत प्रत्येक की भाषा है। लक्ष्मीकान्त मैत्र ने कहा कि संस्कृत को मान्यता देकर जग को यह बता सकेंगे कि हम अपने प्राचीन वैभव का कितना आदर करते हैं। संस्कृत को स्वीकार कर हम भावी पीढ़ी का उज्ज्वल भविष्य निर्माण कर सकते हैं। परंतु, दुर्भाग्य यह कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा संस्कृत भाषा के विषय में सुझाये गये संशोधन को स्वीकार नहीं किया गया। संविधान की आठवीं अनुसूची में उसे मात्र एक भारतीय भाषा का स्थान दिया गया।

इस सन्दर्भ में एक ओर प्रसंग है। राष्ट्रभाषा पर केन्द्रीय कक्ष में विविध समूहों में चर्चा चल रही थी, तब लोगों को यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि चर्चा के समय डॉ. अम्बेडकर एवं लक्ष्मीकान्त मैत्र आपस में त्रुटिहीन संस्कृत में चर्चा कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर की इच्छा थी कि संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने के विषय में शे. का. फेडरेशन के कार्यकारी मण्डल में 10 सितम्बर, 1949 को प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए, परन्तु बी. पी. मौर्य जैसे कुछ तरुण सदस्यों के विरोध के कारण वह सम्भव न हो सका। राष्ट्रभाषा के संबंध में पत्रकारों ने बाबा साहेब से पूछा कि आप संस्कृत का समर्थन क्यों कर रहे हैं? तब उन्होंने कहा– "संस्कृत में क्या दोष है?"

संस्कृत के अलावा बाबा साहेब ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा और राज्य के व्यवहार की भाषा बनाने के लिए प्रयास किया। इस संबंध में 2 जून, 1956 को प्रकाशित 'जनता' के अंक में उनके विचारों को प्रकाशित किया गया है। बाबा साहेब को चिंता थी कि कहीं भाषा के आधार पर बने राज्य एक–दूसरे के विरुद्ध न खड़े हो जाएं? आधुनिक भारत के निर्माण की जगह कहीं मध्ययुगीन भारत न बन जाए? इस स्थिति से बचने के लिए बाबा साहेब ने हिन्दी को राज्य भाषा बनाने का सुझाव दिया। बाबा साहेब लिखते हैं– "संविधान में यह व्यवस्था रखी जाए कि क्षेत्रीय भाषा किसी भी राज्य की राजभाषा नहीं होगी। राज्य की राजभाषा हिन्दी रहेगी"। भाषा को देश की एकजुटता का साधन बताते हुए बाबा साहेब आगे लिखते हैं– "एक भाषा जनता को एकसूत्र में बांध सकती है। दो भाषाएं निश्चित ही जनता में फूट डाल देंगी। यह एक अटल नियम है। भाषा, संस्कृति की संजीवनी होती है। चूँकि भारतवासी एकता चाहते हैं और एक समान संस्कृति विकसित करने के इच्छुक हैं, इसलिए सभी भारतीयों का यह भारी कर्तव्य है कि वे हिन्दी को अपनी भाषा के रूप में अपनाएं"।

यह तथ्य आज भी प्रमाणित है कि भारत में भावनात्मक एकता और राष्ट्रीय एकात्मता हिन्दी द्वारा ही संभव है। बाबा साहेब ने तो यहाँ तक कर दिया था कि जो भी भाषा पर मेरे इस प्रस्ताव को नहीं स्वीकार करता, उसे भारतीय कहलाने का अधिकार नहीं। वह शत–प्रतिशत महाराष्ट्रीयन, शत–प्रतिशत तमिल या शत–प्रतिशत गुजराती तो हो सकता है, किंतु वह सही अर्थ में भारतीय नहीं हो सकता, चाहे भौगोलिक अर्थ में भारतीय हो। जब संविधान सभा में राष्ट्रभाषा के लिए हिन्दी का प्रस्ताव आया तो कांग्रेस पार्टी के नेता दो समूहों में बँट गए। एक, हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के पक्ष में था वहीं दूसरा समूह हिन्दी का विरोध कर रहा था। भाषा के विषय को लेकर संविधान सभा में सर्वाधिक विमर्श हुआ।

बाबा साहेब भाषा के प्रश्न को केवल भावुकता की दृष्टि से नहीं देखते थे। बल्कि उनके लिए भाषा को देखने का राष्ट्रीय दृष्टिकोण था। संस्कृत हो या फिर हिन्दी, दोनों भाषाओं के प्रति उनकी धारणा थी कि ये भाषाएं भारत को एकसूत्र में बांध कर संगठित रख सकती हैं और किसी भी प्रकार के भाषायी विवाद से बचा सकती हैं।

नीति न निष्ठा, सब कुछ सत्ता

—राज कुमार सिंह—

चुनाव पूर्व दलबदल देश में नया नहीं है, पर हाल की कुछ घटनाओं से लगता है कि हमारे नेताओं ने राजनीति को भी आई.पी.एल. क्रिकेट–सा बना दिया है। आई.पी.एल. में हर सीजन से पहले खिलाडियों की नीलामी होती है और बड़ी संख्या में खिलाड़ी–कोच इधर से उधर हो जाते हैं। वैसा ही दृश्य राजनीति में नजर आ रहा है। लगता ही नहीं कि नेताओं की कोई नीति या दल–नेतृत्व के प्रति निष्ठा है। वह उसी तरह दल बदल रहे हैं, जिस तरह आई.पी.एल. में खिलाड़ी टीम बदलते हैं।

चुनावी मुकाबलों में खेल भावना आदर्श स्थिति हो सकती है, पर राजनीति का खेल बन जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेशक देश–काल–परिस्थितियों के मुताबिक नेता का मन बदल सकता है, पर उसके संकेत तो मन–वाणी–कर्म से पहले ही मिलने शुरू हो जाने चाहिएं। अगर अचानक मन बदलता है, तो नेता की नीयत पर सवाल उठेंगे ही। कांग्रेस के बेहद तेज–तर्रार प्रवक्ताओं में शुमार गौरव वल्लभ पिछले कुछ दिन नजर नहीं आए, पर पार्टी की नीति और मुद्दों से उनकी असहमति भी कभी नहीं दिखी। केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से लेकर अडानी समूह पर आरोपों तक हर मुद्दे पर गौरव वल्लभ मुखर आलोचक रहे, पर अब अचानक कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। तर्क दिया कि वह सनातन के विरुद्ध नारे नहीं लगा सकते और वैल्थ क्रिएटर यानी संपत्ति सृजक को गाली नहीं दे सकते। सनातन के विरुद्ध नारे लगाने को किसने कहा यह गौरव वल्लभ ने नहीं बताया। कभी 5 ट्रिलियन में लगने वाले जीरो पूछ कर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा की बोलती बंद करने वाले गौरव, अब उनके साथ जुगलबंदी करेंगे।

चुनावी मुकाबलों में खेल भावना आदर्श स्थिति हो सकती है, पर राजनीति का खेल बन जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेशक देश–काल–परिस्थितियों के मुताबिक नेता का मन बदल सकता है, पर उसके संकेत तो मन–वाणी–कर्म से पहले ही मिलने शुरू हो जाने चाहिएं। अगर अचानक मन बदलता है, तो नेता की नीयत पर सवाल उठेंगे ही। कांग्रेस के बेहद तेज–तर्रार प्रवक्ताओं में शुमार गौरव वल्लभ पिछले कुछ दिन नजर नहीं आए, पर पार्टी की नीति और मुद्दों से उनकी असहमति भी कभी नहीं दिखी। केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से लेकर अडानी समूह पर आरोपों तक हर मुद्दे पर गौरव वल्लभ मुखर आलोचक रहे, पर अब अचानक कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। तर्क दिया कि वह सनातन के विरुद्ध नारे नहीं लगा सकते और वैल्थ क्रिएटर यानी संपत्ति सृजक को गाली नहीं दे सकते। सनातन के विरुद्ध नारे लगाने को किसने कहा यह गौरव वल्लभ ने नहीं बताया। कभी 5 ट्रिलियन में लगने वाले जीरो पूछ कर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा की बोलती बंद करने वाले गौरव, अब उनके साथ जुगलबंदी करेंगे।

बिहार मूल के महाराष्ट्र के कांग्रेसी नेता संजय निरुपम की नाराजगी कुछ दिनों से मुखर हो रही थी क्योंकि मुंबई की जिस लोकसभा सीट से चुनाव लडना चाहते हैं, वह महा विकास अघाड़ी में सीट बंटवारे में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के पास है। उद्धव और उनकी पार्टी के विरुद्ध निरुपम लगातार बयानबाजी भी कर रहे थे। वैसे निरुपम को पत्रकारिता से राजनीति में उद्धव के पिता बाला साहेब ठाकरे ही लाए थे। संजय तब शिवसेना के मुखपत्र सामना के हिंदी संस्करण के संपादक होते थे, जब ड्क्षहदी क्षेत्रों में अपनी पैठ बढ़ाने के मकसद से बाला साहेब ने उन्हें राज्यसभा भेजा। उसके बाद निरुपम राजनीति के माहिर खिलाड़ी बन गए और अंततरू कांग्रेस में आ गए। कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव लड़वाने से ले कर मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष तक बनाया, पर अब जब गठबंधन राजनीति के दबाव में उनकी लोकसभा सीट पर संकट आया तो वह कांग्रेस को दिशाहीन बताते हुए चले गए।

कांग्रेस ने निष्कासित करने की बात कही, लेकिन निरुपम का दावा है कि उन्होंने इस्तीफा दिया। मिलिंद देवड़ा की तरह निरुपम भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में जा सकते हैं, जिसके हिस्से में महायुति में सीट बंटवारे में मुंबई की वह सीट आ रही है, जिससे वह चुनाव लडना चाहते हैं। सबसे दिलचस्प रहा मुक्केबाज विजेंद्र सिंह का दलबदल। ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंद्र सिंह हरियाणा पुलिस में डी.एस.पी. रहने के बाद 2019 में कांग्रेस के टिकट पर दक्षिण दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ कर हार चुके हैं। किसान आंदोलन से लेकर महिला पहलवानों तक के मुद्दे पर वह मुखर रहे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी नजर आए। उनके जाट बहुल मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी के विरुद्ध चुनाव लडने की चर्चाएं थीं।

जाट समाज के 'एक्स' हैंडल के इस बाबत किए गए एक ट्वीट को हाल ही में विजेंद्र ने रिट्वीट भी किया था। वैसे विजेंद्र ने रिट्वीट तो राहुल गांधी के उस ट्वीट को भी किया था, जिसमें 'प्रॉपेगंडा पापा' संबोधन से प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया गया था। रात को उसे रिट्वीट कर सोए विजेंद्र सुबह जाग कर भाजपा में शामिल हो गए। तर्क भी गजब रहा सुबह जगा तो मुझे लगा कि गलत प्लेटफॉर्म पर हूं। सही जगह भाजपा है, इसलिए आ गया। विजेंद्र को नींद से जागने पर महसूस हुआ कि वह गलत प्लेटफॉर्म पर हैं, पर देश के बड़े उद्योगपति और कांग्रेस सांसद भी रह चुके नवीन जिंदल ने तो कांग्रेस छोडने का ट्वीट करने के चंद मिनट बाद ही भाजपा में शामिल होने का ट्वीट कर दिया। मानो भाजपा मुख्यालय में प्रवेश करते समय ही कांग्रेस छोडने का ट्वीट किया हो। वैसे देश की सबसे धनी महिला सावित्री जिंदल के पुत्र नवीन उस कोयला घोटाले में आरोपी भी रहे हैं, जिसे मनमोहन सिंह सरकार के बड़े भ्रष्टाचार में भाजपा गिनाती रही। अब वही नवीन अपनी पुरानी लोकसभा सीट कुरुक्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी हैं, जो 'इंडिया' गठबंधन में सीट बंटवारे में कांग्रेस के बजाय आप के हिस्से में चली गई। दलबदल का एक और दिलचस्प उदाहरण चौधरी बीरेंद्र सिंह के परिवार का है।

देश के बड़े किसान नेता रहे चौधरी छोटू राम के वंशज बीरेंद्र कभी राजीव गांधी के विश्वस्त माने जाते थे, पर हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पिछडने के बाद वह 2014 में भाजपा में चले गए। वह केंद्र में मंत्री बनाए गए और पत्नी प्रेमलता विधायक। 2019 में वी.आर.एस. लेने.वाले आई.ए.एस. बेटे बृजेंद्र को हिसार से लोकसभा टिकट भी दे दिया गया, लेकिन अब जब भाजपा में भाव घटने लगा तो पूरा परिवार कांग्रेस में लौट गया। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे अशोक तंवर का मामला तो और भी गजब है।

राहुल के करीबी माने जाने वाले तंवर ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से टकराव के बाद कांग्रेस छोड़ी, तृणमूल कांग्रेस में गए। जब लगा कि तृणमूल का कांग्रेस से गठबंधन हो सकता है, तो आप में चले गए। जब आप से भी कांग्रेस के गठबंधन की बात चली तो अंततरूभाजपा में चले गए, जिसके टिकट पर सिरसा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद जिस तरह पार्टी के ज्यादातर राज्यसभा सांसद निष्क्रिय हैं और एक मंत्री राजकुमार आनंद ने अचानक सरकार एवं आप से इस्तीफा दे दिया है, उसका भी यही संदेश है कि नीति और निष्ठा अब बीते जमाने की बात है। वर्तमान राजनीति का सच सिर्फ सत्ता है।

महान नायक डॉ. भीमराव अम्बेडकर

—अर्चना सिंह—

डॉ बी. आर. अम्बेडकर एक विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, अर्थशास्त्री, कानूनविद, राजनेता और सामाज सुधारक थे। उन्होंने दलितों और निचली जातियों के अधिकारों के लिए छुआछूत और जाति भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संर्घष किया है। उन्होंने भारत के संविधान को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री और भारतीय संविधान के निर्माताओ में से एक थे।

भारतीय जाति व्यवस्था में, अछूतो को हिंदुओं से अलग कर दिया गया था। जिस जल का उपयोग सवर्ण जाति के हिंदुओं द्वारा किया जाता था। उस सार्वजनिक जल स्रोत का उपयोग करने के लिए दलितो पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। महाड़ सत्याग्रह की शुरुआत डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में 20 मार्च 1927 को किया गया था।

जिसका उद्देश्य अछूतो को महाड़, महाराष्ट्र के सार्वजनिक तालाब के पानी का उपयोग करने की अनुमति दिलाना था। बाबा साहब अम्बेडकर ने सार्वजनिक स्थानों पर पानी का उपयोग करने के लिए, अछूतो के अधिकारों के लिए सत्याग्रह शुरू किया। उन्होंने आंदोलन के लिए महाड के चवदार तालाब का चयन किया। उनके इस सत्याग्रह में हजारों की संख्या में दलित शामिल हुए।

डॉ बी.आर. अम्बेडकर ने अपने कार्यो से हिंदू जाति व्यवस्था के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रहार किया। उन्होंने कहा कि चावदार तालाब का सत्याग्रह केवल पानी के लिए नहीं था, बल्कि इसका मूल उद्देश्य तो समानता के मानदंडों को स्थापित करना था। उन्होंने सत्याग्रह के दौरान दलित महिलाओं का भी उल्लेख किया और उनसे सभी पूराने रीति–रिवाजों को त्यागने और उच्च जाति की भारतीय महिलाओं के जैसे साड़ी पहनने के लिए आग्रह किया। महाड में अम्बेडकर जी के भाषण के बाद, दलित महिलाएं उच्च वर्ग की महिलाओं के साड़ी पहनने के तरिको से प्रभावित हुई, वहीं इंदिरा बाई चित्रे और लक्ष्मीबाई तपनीस जैसी उच्च जाति की महिलाओं ने उन दलित महिलाओं को उच्च जाति की महिलाओं की तरह साड़ी पहनने में मदद की।

संकट का माहौल तब छा गया जब यह अफवाह फैल गयी कि अछूत लोग विश्वेश्वर मंदिर में उसे प्रदूषित करने के लिए प्रवेश कर रहे हैं। जिससे वहाँ हिंसा भड़क उठी और उच्च जाति के लोगों द्वारा अछूतों को मारा गया, जिसके कारण दंगे और अधिक बढ़ गये। सवर्ण हिंदुओं ने दलितों द्वारा छुए गये तालाब के पानी का शुद्धिकरण कराने के लिए एक पूजा भी करवायी।

25 दिसंबर 1927 को महाड में बाबासाहेब अम्बेडकर जी द्वारा दूसरा सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, हिंदुओं का कहना था कि तालाब उनकी निजी संपत्ति है, इसीलिए उन्होंने बाबासाहेब के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया, मामला उप–न्याय का होने के कारण सत्याग्रह आंदोलन ज्यादा दिन तक जारी नहीं रहा। हालांकि बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिसंबर 1937 में यह फैसला सुना दिया कि अस्पृश्यों को भी तालाब के पानी को उपयोग करने का पूरा अधिकार है।

इस प्रकार, बाबासाहेब अम्बेडकर हमेशा अस्पृश्यों और अन्य निचली जातियों की समानता के लिए लड़े और सफलता प्राप्त की। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता थे, उन्होंने दलित समुदायों के लिए समानता और न्याय की मांग की थी।

भीमराव अम्बेडकर को बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। वे भारतीय अर्थशास्त्री, न्यायवादी, राजनेता, लेखक, दार्शनिक और सामाज सुधारक थे। वे राष्ट्र पिता के रूप में भी लोकप्रिय है। जाति प्रतिबंधों और अस्पृश्यता जैसे सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में उनका प्रयास उल्लेखनीय रहा। वे अपने पूरे जीवन में सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों और दलितों के अधिकारों के लिए लड़े। उन्हें जवाहरलाल नेहरू जी की कैबिनेट में भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। 1990 में, अम्बेडकर जी के मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनका जन्म गरीब दलित जाति परिवार में हुआ था जिसके कारण उन्हें बचपन में जातिगत भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ा। उनके परिवार को उच्च वर्ग के परिवारों द्वारा अछूत माना जाता था। अम्बेडकर जी के पूर्वज तथा उनके पिता ब्रिटिश ईस्ट इंडियन आर्मी में लंबे समय तक कार्य किया था। अम्बेडकर जी अस्पृश्य स्कूलों में भाग लेते थे, लेकिन उन्हें शिक्षकों द्वारा महत्व नहीं दिया जाता था।

अज्ञात चार पहिया वाहन ने तीन बाइकों में मारी टक्कर, दो की मौत, छह घायल

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के रमपुरवा महसी राजमार्ग पर महाराजगंज के पास शुक्रवार की देर रात अज्ञात वाहन ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही अन्य तीसरी बाइक से भिड़ गई। जिससे बाइकों पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। जबकि अन्य छह लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायलों का इलाज चल रहा है। बाइक चालक हेलमेट लगाए थे। महली तहसील के हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज के पास शुक्रवार की रात एक चार पहिया वाहन ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक पर सवार जंगलपुरवा गांव निवासी किसान काशीराम के 21 वर्षीय पुत्र मनोज की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गांव निवासी रिश्तेदार भाईयों अशोक(18), नीरज(17) वहीं दूसरी बाइक पर सवार अंकित (15), अंकुल(18) और एक अन्य सडक पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की सूचना पाकर पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि नीरज चार भाईयों से तीसरे नंबर का था।

मौत से मां बीना देवी सहित अन्य परिजनों का रो रोकर काफी खराब हाल है। वहीं कार की टक्कर के बाद मनोज की बाइक सामने से आ रही अन्य तीसरी बाइक से टकरा गई। जिससे बाइक सवार सभी छीटनपुरवा गांव निवासी राहुल कश्यप(22), टेड़े(17), सुनील (20) घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान राहुल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि राहुल प्लंबरिंग का काम करकर अपना भरण पोषण करता था। चार बहनों दो भाईयों में चौथे नंबर का था। मौत से पिता रमेश, मां फूलमाता सहित अन्य परिजनों का हाल बेहाल है। वहीं पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। मृतक मनोज के परिजनों ने बताया कि वह चार साल से मुंबई में रहकर मजदूरी करता था।

दस दिन पहले ही गांव आया था। मोहल्ले में तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बौंडी थाना क्षेत्र के तिलक त्रिगड़ा गांव गया था लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। मृतक राहुल गांव की शादी में शामिल होने खैरीघाट के विश्वापुर गया था। लौटते समय हादसे का शिकार हो गया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में मिली गड़बड़ी तो नपेंगे अधिकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए विशेष संचारी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत की जा रही गतिविधियों को जानने के लिए डीएम ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि अभियान में गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने अभियान से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष संचारी रोग नियत्रंण अभियान व दस्तक अभियान के तहत संचारी रोगों व दिमागी बुखार पर प्रभावी कार्यवाही करें। अपने दायित्वों का निर्वहन करने के साथ अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि गांवों में खराब हैण्डपम्प के दूषित पानी पीने से संक्रमण फैलने का खतरा अधिक रहता है। पंचायती राज विभाग खराब हैण्डपम्पों को जल्द से जल्द ठीक कराए। झाड़ियों, तालाबों आदि की साफ–सफाई भी कराए। प्रत्येक विद्यालय में हैण्ड वाश की जानकारी दी जाए तथा उनके परिवार को भी इसके प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग संबंधी बैठक, टीकाकरण, दिमागी बुखार केस की निगरानी, उपचार व रोगियों के लिए निशुल्क 108 व 102 की व्यवस्था की जाय। मलेरिया विभाग की ओर से लार्वारोधी गतिविधियां चलाई जाय तथा जरूरत के अनुसार फागिंग करायी जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान के तहत घर–घर जाकर आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की ओर से साफ–सफाई, कचरा निस्तारण, जलभराव रोकने, मच्छरों से बचाव आदि के प्रति लोगों को जागरूक किया जा जाए। इस मौके पर सीएमओ डा एपी सिंह, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, डीडीओ रामसमुझ, एसीएमओ डा वीके श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

स्थानांतरित सहायक कमांडेन्ट को दी गई विदाई

संवाददाता–श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में तैनात सहायक कमान्डेंट विश्वा राजीव कुमार का स्थानांतरण 62वीं वाहिनी से 33वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ हुआ है। इसके लिए शनिवार को कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कमांडेन्ट समेत सभी एसएसबी अधिकारियों व जवानों की ओर से सहायक कमांडेन्ट विश्वा राजीव को फूल माला पहनाकर सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। कमांडेन्ट ने बताया कि 62वीं वाहिनी भिनगा में विश्वा राजीव कुमार का कार्यकाल एक वर्ष छह महीने का रहा है। इस दौरान उनके कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। इस मौके पर उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार, उपकमान्डेंट सोनू कुमार, निरीक्षक रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

भगवान राम के अनन्य मित्र थे निषादराज गुह्य

संवाददाता–देवरिया। प्रभु श्रीराम के परम मित्र व श्रृंगवेरपुर के महाराजा निषादराज गुह्य की जयंती शनिवार को मत्स्यजीवी फिश फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के तत्वाधान में मनायी गयी। कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने महाराजा गुह्यराज का पूजन–अर्चन किया। निषाद जितेन्द्र भारत ने कहा कि वनगमन के दौरान श्रीराम ने अपनी पहली रात अपने मित्र निषादराज के यहां बिताई थी। निषादराज ने ही केवट हरिवंश से प्रभु श्रीराम को गंगा पार कराया। इस दौरान अनिल निषाद, चिंतामणि साहनी,भाजपा नगर अध्यक्ष विजय सिंह रिंकू सूरज प्रसाद निषाद, मुकेश पटेल, बृजा नन्द निषाद ने भी अपनी बात रखी।

डीएम ने एफएसटी की जब्ती कार्रवाई पर जताया असंतोष

संवाददाता–महराजगंज। डीएम अनुनय झा की अध्यक्षता में लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए एसएसटी और एफएसटी की बैठक हुई। इसमें डीएम व एसपी ने एफएसटी द्वारा की जब्ती की कार्यवाही पर असंतोष जताया। वाहनों की जांच सघन करने और जब्ती की कार्यवाही बढ़ाने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि यदि कहीं पर एफएसटी को बैरियर की आवश्यकता है, तो तत्काल उन्हे बैरियर उपलब्ध कराया जाए। एफएसटी टीमों को स्वतः संज्ञान लेकर भी कार्यवाही का निर्देश डीएम ने दिया, ताकि शुचितापूर्ण चुनाव को सुनिश्चित किया जा सके। डीएम ने सीमावर्ती क्षेत्रों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर संदिग्ध वाहनों के सघन तलाशी का निर्देश दिया। साथ ही तलाशी संबंधित विवरण को दर्ज करने के लिए रजिस्टर बनाने के लिए भी कहा। एसपी सोमेन्द्र मीना ने कहा कि एफएसटी टीमों को यदि किसी प्रकार की समस्या है अथवा किसी प्रकार से संसाधनों का अभाव है तो अवगत कराएं लेकिन जब्ती में वृद्धि को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। एसपी ने कहा कि जल्द ही जनपद स्तर से औचक निरीक्षण के माध्यम से एफएसटी टीमों की कार्यशैली की जांच की जाएगी। उन्होंने जांच की संख्या में वृद्धि और तलाशी को सघन करने का निर्देश दिया। संदिग्ध दो पहिया, बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों और बसों की तलाशी का भी निर्देश दिया। साथ ही दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कर कार्यवाही का भी निर्देश दिया। बैठक में एडीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एएसपी आतिश कुमार सिंह, एआर कॉपरेटिव सुनील गुप्ता, टीओ विश्वनाथ अग्रहरी सहित एससटी वएफएसटी टीम के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिद्धपीठ श्यामा सदन में 41 वर्षों से हो रहा है श्रीराम महायज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के रामघाट पर स्थित सिद्धपीठ श्यामा सदन मंदिर में 41 वर्षों से भगवान श्री राम के जन्म महोत्सव के अवसर पर श्रीराम महायज्ञ का आयोजन विश्व कल्याण की कामना से किया जाता है। इस वर्ष भी मंदिर के पीठाधीश्वर महंत बालयोगी श्री श्री 108 श्रीधर दास महाराज के संयोजन में विश्व शांति के संकल्प से यज्ञ का आयोजन वैदिक विद्वानों द्वारा किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन हजारों आहुतियां वैदिक मंत्रों द्वारा डाली जा रही हैं। श्री महाराज जी ने बताया कि हमारे गुरुदेव भगवान ने भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के अवसर पर जगत कल्याण की कामना से यज्ञ का शुभारंभ किया था उन्हीं का अनुसरण करते हुए मैं इस महायज्ञ को आगे बढ़ा रहा हूं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सनातन धर्म पर आघात करने वाले सैकड़ों लोग तैयार हो गए हैं लेकिन सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जो जगत कल्याण की कामना करता है विश्व में शांति की स्थापना के लिए कार्य करता है। वर्तमान समय में मानवता पर संकट है पूरे विश्व में अफरा–तफरी मची हुई है लोग एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या द्वेष की भावना से देख रहे हैं एक देश दूसरे देश से लड़ रहे हैं सभी में शांति और सद्भावना हो इसी के संकल्प के साथ इस वर्ष महायज्ञ का शुभारंभ 13 अप्रैल को पंचांग पूजन मंडप प्रवेश के साथ अग्नि देवता को प्रकट कर किया गया और आहुतियां पड़ने लगी। उन्होंने बताया कि 9 अप्रैल से मंदिर में नवाह परायण का पाठ किया जा रहा है और 17 अप्रैल को भगवान का जन्मोत्सव मनाया जायेगा और श्री राम महायज्ञ की प्राप्ति होगी और कार्यक्रम का समापन 18 मार्च को वृहद भंडारे के साथ होगा।

पांचवे दिन श्रद्धालुओं ने की स्कंद माता की पूजा

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में चैत्र नवरात्र के पांचवे दिन शनिवार को मां स्कंदमाता की भक्तों ने पूजा–अर्चना की। लोगों ने व्रत रखकर माता से अपने व परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने देवी मंदिरों में पहुंचना शुरू कर दिया। मंदिरों में भक्तों ने मां स्कंदमाता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद मांगा। मान्यता है कि पहाड़ों पर रहने वाली मां स्कंदमाता का सुमिरन करने से भगवान कार्तिकेय का भी आशीर्वाद मिलता है। स्कंदमाता की कृपा से सूनी गोद भर जाती है। नवरात्र में मां स्कंदमाता की आराधना से जीवन की सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गाजी के पांचवें स्वरुप मां स्कंदमाता की आराधना की जाती है। इस दिन साधक का मन विशुद्ध चक्र में स्थित होता है। शास्त्रानुसार सिंह पर सवार स्कन्दमातृ स्वरूपणी देवी की चार भुजाएं हैं। जिसमें देवी अपनी ऊपर वाली दांयी भुजा में बाल कार्तिकेय को गोद में उठाए उठाए हुए हैं। नीचे वाली दांयी भुजा में कमल पुष्प लिए हुए, ऊपर वाली बाईं भुजा से इन्होंने जगत तारण वरद मुद्रा बना रखी है व नीचे वाली बाईं भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्णन पूर्णतरू शुभ्र है। इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है।

चैत्र नवरात्र के पांचवे दिन शनिवार को जिले के देवी मंदिरों में आस्था का जनसैलाब उमड़ता दिखाई पड़ा। शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पर भोर से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी कतारें लग गई थीं। प्रदेश के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यहां पर पहुंचकर शक्ति की आराधना की। इसी तरह से तुलसीपुर रोड पर स्थित बिजलेश्वरी देवी मंदिर पर भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नगर के धुसाह गांव में स्थित समय माता मंदिर पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। इसी तरह से झारखंडी मंदिर, रहिया देवी मंदिर, काली थान, भगवतीगंज स्थित मंदिर, उतरौला नगर स्थित ज्वाला मां मंदिर सहित जिले के अलग–अलग क्षेत्रों में स्थापित दुर्गा मंदिरों पर भक्तों की काफी भीड़ रही।

डीएम व एसपी ने क्रिटिकल व वल्नरेबल बूथों का निरीक्षण किया

संवाददाता–महराजगंज। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेंद्र मीना ने फरेंदा तहसील क्षेत्र के विभिन्न क्रिटिकल बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया। परसिया बुजुर्ग में बूथ के संबंध में एसडीएम फरेंदा से आवश्यक जानकारी ली। एसडीएम ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय परसिया बुजुर्ग में कुल 02 बूथ स्थापित हैं और दोनों क्रिटिकल बूथ हैं। दोनो बूथों पर लगभग 1700 मतदाता निर्वाचक नामावली में दर्ज हैं। इसके बाद डीएम व एसपी ने मथुरानागर में उच्च प्राथमिक विद्यालय मथुरानगर का निरीक्षण किया। यहां पर कुल 06 बूथ स्थापित हैं और कुल मतदाता 6945 हैं। डीएम ने विद्यालय के सघन आबादी और नगरीय क्षेत्र में होने के साथ–साथ मतदाताओं की बड़ी संख्या को देखते हुए संवेदनशील बूथ के रूप में चिन्हित करने का निर्देश दिया। डीएम ने आईटीआई पिपरा अमौनी का भी निरीक्षण किया। जहां पर दो कम्पनी पैरामिलिट्री फोर्स एरिया डॉमिनेशन हेतु आई हुई है।

डीएम ने एसडीएम फरेंदा को

पैरामिलिट्री फोर्स के लिए आवश्यक इंतजाम करने और साफ–सफाई सुनिश्चित करवाने का निर्देश दिया। अधिक विद्युत कटौती की शिकायत मिलने पर एक्सईएन आनंदनगर को रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करवाने का निर्देश दिया। अंत में डीएम व एसपी हरपुर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्थापित बूथों को देखा। पूर्व माध्यमिक विद्यालय हरपुर में कुल 2 बूथ हैं, जहां मतदाताओं की संख्या 2015 है। डीएम ने कहा कि जिन बूथों के पास ऊंचे भवन हैं या आस–पास भवनों की संख्या अधिक हो, वहां पर रूफटॉप की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। साथ ही उन्होंने क्रिटिकल बूथों की निरंतर समीक्षा करने और अराजक व संदिग्ध तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही के लिए भी निर्देशित किया। डीएम ने क्रिटिकल और वल्नरेबल पोलिंग बूथों सहित सामान्य बूथों के लिए निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार बूथों की समीक्षा करने और कमी मिलने पर उनको ससमय दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम फरेंदा नवीन कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी, पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम लला के जन्मोत्सव पर ब्रह्मर्षि डॉ वेदांती श्री कथा सुन मंत्र मुक्त हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

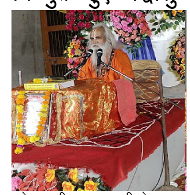

अयोध्या। श्री राम लला के जन्मोत्सव पर परिक्रमा मार्ग स्थित हिंदू धाम में ब्रह्मर्षि डॉ रामविलास वेदांती महाराज ने श्री राम कथा के चौथे दिवस की बेला पर हनुमान जी महाराज की कथा को आगे बढ़ते हुए बताया कि त्रिजटा ने सपना की बात बताइए कि एक बंदर आएगा और लंका को जल करके तुम्हें अपने साथ ले जायेंगे। लेकिन माता जानकी का शौक काम नहीं हुआ उन्होंने माता जानकी ने त्रिजटा से कहा मैं अब जिंदा नहीं रहना माता मेरे लिए अग्नि लाइए और मैं चिता लगा कर अपने आप को उसी में भस्म करना चाहिए।

माता सीता को शोक में देख त्रिजटा माता जानकी को समझाया कि देवी लगता है कि तुम श्री राम के प्रताप को नहीं जानती हो बिना उनके प्रताप की कोई मर नहीं सकता और हे देवी तुम धीर धरो श्री राम आएंगे और सभी प्रकार कष्ट को हर लेंगे। हे देवी रात में अग्नि नहीं मिलेगा और तुम धीरज धरो यह कहकर वह अपने भवन चली। सीता जी शॉक में डूबी थी और सोच रही थी की 2 महीने का समय कैसे बतेगा। श्री महाराज जी ने बताया की समय एक समान नहीं होता एक समय वह था जब पूरी अयोध्या में कर्फ्यू लगा रहता था लोग सोचते थे क्या अयोध्या में मंदिर बने लेकिन समय आया और मंदिर बनकर तैयार हो गया ऐसे ही हनुमान जी महाराज ने माता सीता का सभी शोक हर लिया। श्री महाराज जी के शिष्य वाशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत डॉ राघवेश दास वेदांती महाराज ने कथा श्रवण करने आए अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। कथा की विश्रम मेला में आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया। आज की कथा में महाराज जी के शिष्य सत्येंद्र दास वेदांती करपात्री जी महाराज, नीरज शास्त्री , किशोरी दास पुजारी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सप्ताह भर के भीतर पूरी हो हीटवेव से बचाव की तैयारी

संवाददाता–बलरामपुर। हीटवेव की तैयारियों को परखने के लिए शनिवार को देवीपाटन मंडल गोंडा के अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. जयंत कुमार बलरामपुर पहुंचे। उन्होंने संयुक्त जिला अस्पताल व जिला मेमोरियल अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान हीटवेव से निपटने की तैयारियां अधूरी पाई गई, जिस पर अपर निदेशक ने सप्ताह भर के भीतर तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सप्ताह भर के बाद वह फिर से तैयारियों को परखेंगे। खामियां मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शनिवार को साढ़े दस बजे के करीब अपर निदेशक डॉ. जयंत कुमार संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचे। यहां पर उन्होंने हीटवेव से बचाव के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजकुमार व क्वालिटी प्रबंधक डॉ. रुचि पांडेय ने अपर निदेशक को व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। अपर निदेशक ने कहा कि इस बार गर्मी ज्यादा पड़ने की संभावना है इसलिए हीटवेव से बचाव की सभी तैयारियां तत्काल प्रभाव से कर ली जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीज, तीमारदार व स्टाफ के लिए शुद्ध ठंडे पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। सभी जगह पंखे, कूलर व एसी की पर्याप्त व्यवस्था हो। मरीजों के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। धूप से बचाव का समुचित इंतजाम हो। साथ ही मरीजों को इसके प्रति जागरूक भी किया जाए। अपर निदेशक ने अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी व अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अस्पताल की साफ सफाई व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने सीएमएस को निर्देशित किया कि हीटवेव की जो तैयारियां बची हैं उसे पूरा कर लिया जाए। इसी क्रम में अपर निदेशक ने जिला मेमोरियल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। यहां पर हीटवेव से बचाव को लेकर कोई तैयारी नहीं की गई थी जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। अपर निदेशक ने कहा कि सप्ताह के भीतर हीटवेव से बचाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली जाए। एक सप्ताह बाद वह फिर से तैयारियों का जायजा लेने आएंगे। खामियां मिलने पर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही होगी। अपर निदेशक ने मेमोरियल अस्पताल में साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कड़े निर्देश दिए। अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. जयंत कुमार ने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के साथ बैठक की। उन्होंने सीएमओ से कहा कि सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर हीटवेव से बचाव की तैयारी पूरी करा ली जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी हीटवेव की तैयारियों का जायजा लें। इसे लेकर सभी स्वास्थ्य केन्द्रों के जिम्मेदार लोगों को सचेत कर दिया जाए जिससे समय रहते सभी तैयारियां पूरी हो जाएं। स्वास्थ्य केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध हों। दवाओं के उपलब्धता की जांच करा ली जाए। इसके अलावा कई अन्य बिन्दुओं पर भी निर्देश दिया।

घात लगाए बैठे लोगों ने युवक पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता–गोण्डा। तहसील से घर जा रहे एक युवक पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला करके मरणासन्न कर दिया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना कोतवाली कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत चचरी मार्ग स्थित ग्राम हरसंहाय पुरवा के पास की है। शुक्रवार की देर शाम ग्राम काशीपुर निवासी शिवाकांत गोस्वामी की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध लूट सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर में कहा गया है की वह करनैलगंज तहसील से अपने घर जा रहा था। उसी बीच ग्राम चतरौली निवासी अभिषेक उर्फ अन्नू सिंह ने उसके मोबाइल पर फोन करके पूछा की कहां हो। जिस पर उसने करनैलगंज से घर के लिए निकलने की बात कही। वह अपनी बाइक से चचरी मार्ग स्थित हरसंहाय पुरवा के पास पहुंचा ही था कि पहले से अपने तीन अन्य सहयोगियों के साथ घात लगाए बैठे अभिषेक सिंह ने उसे रोक लिया और अवैध असलहा की बट से उसके सर पर ताबड़तोड़ वार करते हुए चारो लोगों ने मारपीट कर उसे मरणासन्न कर दिया। उसके बाद सड़क के किनारे गड्ढे में धकेल कर उसकी बाइक भी क्षति ग्रस्त कर दिया। हल्ला गुहार सुनकर आसपास के लोग दौड़े जिस पर गाली व जान से मार डालने की धमकी देते हुए चारों लोग फरार हो गए। आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करनैलगंज पहुंचाया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। कोतवाल निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एसपी ने सुनी लोगों की शिकायत

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस कार्यालय में शनिवार को जनसुनवाई के लिए जनता दर्शन का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने जनता दर्शन में आए लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान कुल 10 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिसमें पांच भूमि विवाद, तीन पारिवारिक विवाद व दो अन्य विवादों से संबंधित रहे। एसपी ने लोगों की शिकायत सुनकर संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल निराकरण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लोगों की शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता में लेकर किया जाय।

पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर पूरी हों व्यवस्थाएं

संवाददाता–श्रावस्ती। डीएम ने लोकसभा निर्वाचन के लिए बनाए गए पोलिंग पार्टी रवाना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रवानगी स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित को सभी व्यवस्थाएं मुकम्मल करने का निर्देश दिया। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर कलेक्ट्रेट में पोलिंग पार्टी सवाना स्थल बनाया गया है। शनिवार को जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने पोलिंग पार्टी रवाना स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। साथ ही पहले से ही सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त कर लेने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि दोनों विधान सभाओं के लिए पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल व ईवीएम मशीनों को स्ट्रांगरूम में जमा करने को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं। ताकि मतदान कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होने रवानगी स्थल के आस–पास साफ–सफाई, पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था करने के लिए सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया है। इस मौके पर अवर अभियंता नीरज सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीता राम विवाह भक्ति और भगवान का मिलन है –शीतल दीदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या में प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव का उल्लास धीरे–धीरे अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच रहा है जहां श्रद्धालुओं का आना प्रारंभ हो गया है वही पूरी अयोध्या नगरी श्री राम कथा से गुंजायमान हो रही है। श्रीराम कोर्ट में स्थित श्री रामकृष्ण मंदिर में महामंडलेश्वर गणेशानंद दास महाराज के सानिध्य में श्री रामकृष्ण सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में मानस प्रवक्ता महंत शीतल दीदी ने प्रभु श्री राम और माता जानकी के विवाह के प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि सीता–श्रीराम का विवाह भक्ति और भगवान का मिलन है। सीता भक्ति है और श्री राम भगवान।

दीदी जी ने कथा में धनुष यज्ञ की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्री राम के हाथों से धनुष टूटा तो किसी ने धनुष से पूछा की सीता राम के विवाह मे सभी खुश हूँ। पर तुम तो बहुत दुःखी होगे क्यो की तुम्हे भगवान श्री राम ने तोड़ध्कर धरती पर डाला है। उस टूटे हुए धनुष ने जवाब दिया, मैं सबसे ज्यादा खुश हूँ क्योंकि हम जब तक जुड़े थे तब तक दुसरे को तोड़ने का काम करते थे। देखो आज हम टूटकर भी सीता और राम को जोड़ने का काम कर रहे हैं आज मेरे टूटने के कारण ही सीता जी और श्री रामचन्द्र जी जुड़कर एक हो जाएंगे। फिर मेरा सौभाग्य तो देखो हम छुटकर भी भगवान श्री राम के चरणों में पड़े हुए है। जैसे ही प्रभु श्री राम और माता जानकी का विवाह हुआ पूरा मंदिर हर्षोल्लास के वातावरण से गुंजायमान हो उठा सभी लोग नाचने लगे कथा की विश्राम बेला पर आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया।

चिकित्सक समेत दो कर्मी अनुपस्थित, रोका वेतन

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुरा व पीएचसी हरिहरगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सक समेत दो कर्मी अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ ने दोनों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरिहरगंज के चिकित्साधिकारी डॉ. विकल्प मिश्र अनुपस्थित पाए गए। सीएचसी शिवपुरा में डेंटल हाईजेनिस्ट आशीष कुमार अपनी डयूटी पर नहीं थे। दोनों का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया है। सीएमओ ने निरीक्षण के दौरान कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों को बाहर की दवाएं व जांच न लिखी जाएं। मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ निर्धारित ड्रेस कोड में डयूटी पर रहें। कहा कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सभी सेवाएं प्रदान की जाएं। जननी सुरक्षा योजना के तहत प्राप्त होने वाली 1400 रुपए की धनराशि यथाशीघ्र लाभार्थियों के खाते में भेजी जाए तथा 48 घंटे के अंदर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाए। सीएचसी शिवपुरा में गंदगी पाई गई जिस पर अधीक्षक डॉ. प्रणव पांडेय को निर्देशित किया गया कि परिसर व शौचालयों की नियमित साफ कराई जाए। सीएमओ ने ग्राम गनवरिया में विशेष संचारी रोग अभियान व टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया।

नेपाल से तुलसीपुर शक्तिपीठ देवीपाटन पहुंची पीर रतननाथ की यात्रा

संवाददाता–बलरामपुर। पड़ोसी देश नेपाल से देवीपाटन पहुंची सिद्ध पीर रतन नाथ की यात्रा देखने के लिए लोगों का सैलाब सड़कों पर उत्तर आया। यात्रा में शामिल पात्र देवता का दर्शन पाने के लिए श्रद्धालु आतुल दिखाई दिए। शनिवार भोर तुलसीपुर नगर में पहुंची पीर रतन नाथ यात्रा के बाद पूरा शहर मां की जय जयकारों से गुजायगान हो गया। श्रद्धालुओं ने जगह–जगह पात्र देवता का पूजन अर्चना किया। जगह–जगह नगर वासियों ने पीर रतननाथ यात्रा का फूल मालाओं से स्वागत किया। 51 शक्तिपीठों में से एक मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ देवीपाटन नाथ संप्रदाय की तपोस्थली मानी जाती है। प्रतिवर्ष नवरात्रि में पंचमी के दिन मित्र देश नेपाल से सिद्ध पीर रतन नाथ की यात्रा यहां पहुंचती है। यात्रा के साथ ही शक्तिपीठ पर पात्र देवता का मंदिर में प्रवेश होता है। पंचमी के दिन से पाटेश्वरी देवी के साथ मंदिर पर पात्र देवता की पूजा भी शुरू हो जाती है। पंचमी से पांच दिनों तक मंदिर में न तो स्थानीय पुजारी पूजा करेंगे और न ही मंदिर में घंटे और नगाड़े बजाए जाएंगे। इस परंपरा का निर्वहन आदिकाल से होता चला आ रहा है। नेपाल से आने वाली इस यात्रा में विशेष भेष–भूसा में भारी संख्या में नेपाली भी शामिल रहे। तुलसीपुर नगर में यात्रा के प्रवेश करते ही श्रद्धालु दर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर आए। श्रद्धालुओं ने सड़कों को पानी से धोया, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सिद्ध पीर रतन नाथ की यात्रा शक्तिपीठ मंदिर देवीपाटन पहुंची। जहां पर महंत मिथलेश नाथ योगी ने पूरे विधि विधान से पात्र देवता का मंदिर में प्रवेश कराया। पंचमी से नवमी तक श्रद्धालु देवी के साथ–साथ पात्र देवता की भी पूजा करेंगे। यात्रा में शामिल नेपाल से आए श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था मंदिर परिसर में सिद्ध पीर रतन नाथ के दलीचे में किया गया है। नवमी के दिन यह यात्रा वापस नेपाल चली जाएगी। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह विक्की सहित शक्तिपीठ के लोगों ने पात्र देवता का स्वागत किया। राप्ती अंचल संस्कृत ग्रंथ के अनुसार महान सिद्ध रतन नाथ जी नेपाल के एक बार सिद्ध योगी कृष्णा नंदन जी जो लोक में कानी पाव या कनिपानाथ के नाम से प्रसिद्ध थे, अपने सतीर्थ वहां योगी गुरु गोरक्षनाथ जी से अनावश्यक विवाद में उलझ गए। इससे अप्रसन्न होकर श्रीनाथजी ने कनिपानाथ को अनेक अत्यंत आचरण के लिए खेद प्रकट करते हुए उन्हें योग भ्रष्ट हो जाने का श्राप दे दिया।

पसंद की लड़की से शादी करने के लिए फर्जी दरोगा बन गया ड्राइवर, दिनभर चलाता था कैब, रात में पहन लेता था वर्दी

संवाददाता–गोरखपुर। किराए की गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर ने पसंद की लड़की से शादी करने के लिए खुद को यूपी पुलिस में एसआई बताया। फिर उस झूठ को सच साबित करने के लिए वर्दी पहनकर घूमने लगा। जब पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार के डैशबोर्ड में पी कैप मिलने पर पूछताछ की तो युवक की नकली दरोगा बनने की काहनी सामने आ गई। पुलिस को उसके पास से एक वर्दी, पुलिस आईडी चार पहिया गाड़ी बरामद हुआ। कोर्ट में पेश करने के बाद युवक को जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि पकड़े गए फर्जी दरोगा की पहचान खजनी थाना क्षेत्र के कंदराई गांव के दुर्गेश कुमार पासी पुत्र रामेंद्र पासी के तौर में हुई है। पूछताछ के दौरान दुर्गेश ने बताया कि उसकी शादी चार साल पहले पिपरौली की रहने वाली पूजा के साथ हुई है। जब शादी हुई तब वह एसआई की तैयारी कर रहा था। साल 2022 में उसने पत्नी और ससुराल वालों से बताया कि वह यूपी पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर भर्ती हो गया है। जबकि उस समय पर किराये पर गाड़ी चलता था।

पूजा ने एक दिन दुर्गेश से कहा कि वर्दी में कभी उसकी फोटो नहीं देखी। उसने वीडियो कालिंग कर ट्रेनिंग के दौरान की फोटो दिखाने की जिद करने लगी। दुर्गेश ने पुलिस को बताया कि उसने सीतापुर के एक टेलर की दुकान से वर्दी का पूरा सेट लिया और उसे पहनकर बीवी से बात करने लगा। इसके अलावा ट्रेनिंग में काफी पैसा खर्च होने की बात कहते हुए उसने ससुरालवालों से पैसा भी वसूला। जब पत्नी साथ रहने की जिद करने लगी तो दुर्गेश ने सीतापुर में कमरा उसे साथ रखने लगा। दिनभर गाड़ी चलाता जब घर जाना होता तब वर्दी पहन कर दरोगा बन जाता था। फिलहाल इस तरह से चलता रहा और चार महीने बाद पत्नी को बताया कि उसकी पोस्टिंग हापुड़ हो गई है और उसे समझा–बुझाकर घर भेज दिया। फिर वर्दी पहन कर वसूली के खेल में लग गया।

दुर्गेश फर्जी वर्दी और आईडी कार्ड के साथ क्षेत्र में घूमकर आम लोगों को डराने धमकाने लगा। स्वीफ्ट डिजायर गाड़ी यूपी53 डीजे 3940 से चलता और डैसबोर्ड पर पुलिस की धौंस जमाने के लिए पी कैप रखता था। जिससे कोई रोक टोक न हो साथ ही टोल टैक्स पर भी पैसा न देना पड़े। इस दौरान कैंट पुलिस की चेकिंग में पकड़ा गया। डैशवोर्ड पर पी कैप रखकर चलने वालों की चेकिंग का पहले से अभियान चल रहा था। यही वजह है कि दुर्गेश से पूछताछ और जांच हुई तो पूरी घटना सामने आई और वर्दी भी बरामद किया गया।

पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर कसा शिकंजा, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कुर्क किया घर

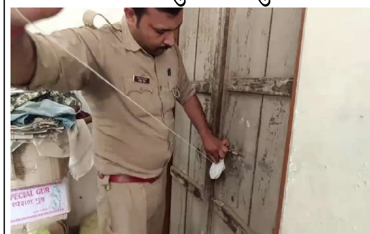

संवाददाता–गोरखपुर। महराजगंज जिले में नौतनवा स्थित पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की संपत्ति को आज बस्ती पुलिस ने सीज कर दिया. साल 2001 में बस्ती के व्यापारी राहुल मद्देशिया के अपहरण मामले में लगातार फरार चल रहे पूर्व मंत्री अमरमणि के खिलाफ बस्ती की एमपी–एमएलए कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया था। उनके हाजिर न होने की वजह से अमरमणि की संपत्ति को कुर्क करने का आदेश जारी हुआ था। हालांकि, इस मामले में एमपी–एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ अमरमणि हाई कोर्ट गए थे। मगर, वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली. इसके बाद बस्ती की स्पेशल एमपी–एमएलएकोर्ट ने डीजीपी और प्रमुख सचिव गृह को अमरमणि की संपत्तियों को जल्द कुर्क करने का आदेश दिया। इसके बाद आज अमरमणि की संपत्ति को सील कर दिया गया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद था। बता दें कि पूर्व मंत्री के खिलाफ यह कार्रवाई बस्ती में व्यापारी के बेटे अपहरण मामले में फरार होने के चलते की गई है।

फर्जी अस्पतालों के नाम पर हो रहा आयुष्मान से लाखों रुपये का भुगतान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में गैर सरकारी ऐसे अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड कार्डधारकों का उपचार किया जाता है जिसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा रजिस्टर्ड किया हो। लेकिन जिले के तीन ऐसे अस्पतालों में इस योजना के तहत भुगतान किया जा रहा है जो वर्ष 2021–22 में पंजीकृत रहे लेकिन वर्ष 2022–23 में ये अस्पताल पंजीकृत नहीं रहे। फिर भी इस योजना से इन अस्पतालों पर भुगतान किया जा रहा है। विभागीय उदासीनता के कारण केंद्र सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना पर जिम्मेदार पलीता लगा रहे हैं।

केंद्र सरकार गरीब के उपचार करने के लिए जिले में आयुष्मान कार्ड बनवा रही है। लेकिन इस कार्ड से गरीबों के उपचार में स्वास्थ्य माफिया बड़ा खेल कर रहे हैं। जिले में इन दिनों 4 लाख 4 हजार 391 लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बना है। इनमें से 54 हजार 389 कार्ड धारकों का उपचार सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों में किया जा चुका है। अब तक इस योजना से जिले में 37 करोड़ 18 लाख 83 हजार 390 रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। उपचार करने के लिए विभाग ने कुल 60 अस्पतालों को मान्यता दी है। इनमें 27 सरकारी व 33 गैर सरकारी अस्पताल सम्मलित है।

वर्ष 2022–23 में जिले में बाला जी हास्पिटल, हनुमान हास्पिटल एवं मैर्टनिटी सेंटर व स्पंदन अस्पताल स्वास्थ्य विभाग से गैर पंजीकृत रहे। जबकि इनको इस अवधि में भुगतान किया गया। आंकड़ों के अनुसार 23 सितंबर 2018 से 11 मार्च 2024 के बीच में बाला जी हास्पिटल पर 41 मरीजों के सापेक्ष 6 लाख 64 हजार 100 रुपये का भुगतान करने के बाद 4 लाख 66 हजार 800 रुपये का भुगतान लंबित है। हनुमान हास्पिटल एवं मैर्टनिटी सेंटर पर 47 मरीजों के उपचार के नाम पर 7 लाख 10 हजार 450 रुपये का भुगतान होने के बाद 5 हजार रुपये मरीजों के इलाज का बकाया है। वहीं स्पंदन अस्पताल में 320 मरीजों के उपचार के लिए 65 लाख 57 हजार 675 रूपये का भुगतान किया गया है जबकि इस अस्पताल का 13 लाख 95 हजार 50 रुपये उपचार का बकाया है। तीनों अस्पताल को 73 लाख 32 हजार 225 रुपये सरकार द्वारा दिया जा चुका है। जबकि 17 लाख 81 हजार 350 रुपये का भुगतान लंबित है। इतना ही नहीं जो पंजीकृत अस्पताल हैं उनमें भी गोल्डेन कार्ड से किए गए उपचार का मरीजों से सत्यापन किया जाय तो बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। सीएमओ डा. रामानुज कनौजिया ने कहा कि गैर पंजीकृत अस्पतालों में यदि इस योजना से उपचार किया गया है तो यह बड़ा मामला है। जिन अस्पतालों की बात की गई है उनका पंजीयन नहीं है । इसके लिए हमने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है। पंद्रह दिन के अंदर जांच रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद शासन को भेजा जाएगा।

डॉक्टर की पत्नी और बेटे पर हमला करने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। डा. अवधेश कुमार सिंह की पत्नी कुसुम सिंह और बेटे प्रियांश पर गड़ासे से हमला करने वाले आरोपित रोहन को गोरखनाथ पुलिस ने शनिवार को तरंग क्रासिंग के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से आला–कत्ल के रूप में मौजूद गड़ासा भी बरामद कर लिया है। आरोपित ने पूछताछ में बताया कि वह उनके यहां क्लीनिक पर काम करता था। ओटी की सारी जिम्मेदारी उसके पास थी लेकिन डॉक्टर और उनका परिवार नौकर कहकर बुलाता था जिससे वह नाराज था। यही नहीं रोहन ने बताया कि नवरात्र में उसका दिमाग काम नहीं करता है ऐसा तीन बार से हो रहा है इसबार उसने डॉक्टर की पत्नी पर हमला कर दिया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया कि गोरखनाथ ओवरब्रिज के नीचे हुमायूंपुर उत्तरी निवासी डॉक्टर अवधेश सिंह के घर पर शुक्रवार को दोपहर बाद प्रसाद देने के बहाने उनका पूर्व कर्मचारी सूरजकुंड निवासी रोहन पहुंचा। घर के अंदर दाखिल होने के बाद डॉक्टर की पत्नी कुसुम सिंह को अकेला पाकर उनके ऊपर गड़ासे से हमला कर दिया। चीख सुनकर उनका बेटा प्रियांश आया।

रोहन को पता था कि कुसुम ही घर पर अकेली है लेकिन बेटे के आने के बाद वह बचकर भागने लगा इस दौरान उसने बेटे के ऊपर भी हमला किया। उधर, पत्नी और बेटे पर हमले की सूचना पर घर पहुंचे डॉक्टर अवधेश कुमार सिंह ने पुलिस को सूचना दी। सीसी टीवी फुटेज में आरोपित की फोटो कैद हो गई थी। डॉक्टर अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि दस साल पहले वह उनके यहां काम करता था। नवरात्र का प्रसाद देने के बहाने वर्तमान में काम मांगने आया था लेकिन उनके पास इस समय कोई काम नहीं है इस लिए पत्नी ने मना कर दिया था। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू की और तरंग क्रासिंग के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी सिटी ने बताया कि आरोपित के पास से घटना में इस्तेमाल आला कत्ल बरामद कर लिया गया है। एसपी सिटी से रोहन ने बताया कि नवरात्र में उसका दिमाग काम नहीं करता है। शरीर पर खुद का काबू नहीं रहता है। ऐसा पिछले तीन नवरात्र से हो रहा है लेकिन इसके पहले के दो नवरात्र में उसने किसी के साथ कुछ नहीं किया। इस बार एक दिन वह ओवरब्रिज के नीचे से जा रहा था कि समाधान क्लीनिक का बोर्ड देखा। उसे याद आया कि यहां तो वह काम करता था। काम करने के दौरान की बाते याद आने लगी। रोहन ने बताया कि वह डॉक्टर साहब का ओटी संभालता था उसके बाद भी उनका परिवार नौकर की तरह ही ट्रिट करता है। उस समय की आत्मग्लानि का बदला लेने के लिए उसका बेकाबू दिमाग हाबी हो गया और वह डॉक्टर के घर पहुंच गया। सबसे ज्यादा उसे दिक्कत डॉक्टर की पत्नी से था इसलिए वह जब घर गया तब उसे पता था कि घर पर सिर्फ उनकी पत्नी ही हैं। गोरखनाथ पुल के नीचे हुमायूंपुर उत्तरी के रहने वाले डॉ. अवधेश कुमार सिंह सिंह सरकारी डॉक्टर थे। मौजूदा वक्त में वे रिटायर्ड हो चुके हैं। फिलहाल उन्होंने अपने घर पर ही समाधान क्लीनिक खोला था। हालांकि वर्तमान में क्लीनिक बंद है। तिवारीपुर इलाके के सूरजकुंड माधोपुर का रोहन डॉक्टर के यहां करीब 10 साल पहले काम करता था। खुद ही काम छोड़कर चला गया था।

सुरक्षा कर्मियों ने फ्लैग मार्च निकाल दिलाया सुरक्षा का भरोसा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नवरात्र, रामनवमी पर्व व लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने व लोगों में सुरक्षा का अहसास दिलाने के लिए एसपी प्राची सिंह ने जवानों संग फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकलकर गड़ाकुल, पुलिस बूथ चौराहा, इक्कावन तिराहा, बैंक रोड व तहसील गेट होते हुए थाना पर आकर समाप्त हुआ। एसपी प्राची सिंह ने नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू है। आचार संहिता का पालन कराना प्रथम उद्देश्य है। नवरात्र पर्व चल रहा है, राम नवमी पर्व पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हो रही है। ऐसे में कोई भी अंजान व संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने नागरिकों से अपील किया कि नवरात्र पर्व शांति पूर्ण माहौल में मनाएं। बेवजह चौराहा, होटलों व गलियों में भीड़ इकट्ठा न हों। थानाध्यक्ष को सीमावर्ती क्षेत्रों मे पुलिस की गश्त बढ़ाने व हर आने जाने वालों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि माहौल बिगाड़ने वाले उपद्रवियों को किसी भी दशा मे बख्शा नहीं जाएगा। कहा कि छोटी–छोटी बातों पर आपस में विवाद न करें।

दो मंजिला मकान में फटा सिलेंडर, युवती की मौत

संवाददाता–अयोध्या। शनिवार को आटा चक्की में सिलेंडर फट गया। इस दौरान वहां पर आटा लेने आई एक युवती उसकी चपेट में आ गई। कुछ देर तक वो जमीन गिरकर मदद की गुहार लगाती रही। लोग पहुंचते तब तक उसने दम तोड़ दिया। वहीं, एक ही परिवार के 6 लोग भी झुलस गए।

छात्रा से मोबाइल लूटने वाला बदमाश पकड़ा गया

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके के विष्णु मंदिर स्थित अभयनंदन इंटर कॉलेज में पढ़ने जा रही छात्रा से मोबाइल लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपित की पहचान विजय प्रताप के रूप में हुई है। वह सोनबरसा थाना मईल देवरिया का मूल निवासी है और दुर्गापुरम हडहवा फाटक कमला मैरेज लॉन के पास रहता है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। कुशीनगर जनपद के अहिरौली इलाके के बेलवा बुजुर्ग निवासी कृष्ण मोहन पांडेय शाहपुर के एल्युमुनियम फैक्ट्री के पास किराए पर रहते हैं उनकी पत्नी रीना देवी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह 7रू30 बजे उनकी बेटी शिवानी साइकिल से विष्णु मंदिर स्थित अभयनंदन इंटर कॉलेज में पढ़ने जा रही थी। वह नौवीं में पढ़ती है। अभी वह स्कूल से पहले पहुंची थी कि मोबाइल निकाल कर किसी को फोन करने लगी। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए। छात्र के शोर मचाने पर आसपास के लोग जूटे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल करने के बाद केस दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे की मदद से बदमाशों की तलाश शुरू कर दी जिसके बाद उसकी पहचान हो गई और पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

गो–तस्करी व धोखाधड़ी में वांछित बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स पुलिस ने छह साल से फरार चल रहे एक बदमाश को शनिवार को गिरफ्तार किया। वह धोखाधड़ी और गो तस्करी के मामले में वांछित था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। आरोपित की पहचान इरशाद उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। वह कुशीनगर जिले के कुबेर स्थान थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीपुर कर्बला टोला का रहने वाला है। उसके ऊपर गोवध व पशु क्रूरता से संबंधित मुकदमे दर्ज हुए थे। विवेचना के दौरान नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और गिरफ्तार कर लिया। एम्स थानेदार ने बताया कि इरशाद उर्फ गुड्डू के ऊपर तीन केस दर्ज हैं जिसमें दो केस कुशीनगर के कुबेरस्थान और पटेहरवा थाने में दर्ज है।

जीवन में सदगुण से ही मिठास आती है

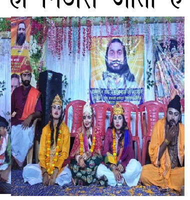

–9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। श्रीरामचरितमानस में महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी ने भगवान श्री राम और जनकनन्दिनी सीता के विवाह का वर्णन बड़ी ही सुंदरता से किया है। इनका विवाह पूरी रामायण की सबसे महत्वपूर्ण घटना है क्योंकि प्रकृति के नियंता को ज्ञात था कि जीवन में चौदह वर्ष का वनवास और रावण जैसे अहंकारी असुर का वध धैर्य के वरण के बगैर संभव नहीं है। अतः श्रीराम–जानकी का विवाह मुख्य रूप से यह एक बड़े संघर्ष से पूर्व धैर्यवरण का प्रसंग है। यह सद् विचार कथा व्यास अंकितदास जी ने श्रीराम जानकी मंदिर निपनिया चौराहा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त दसकोलवा में आयोजित 9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा में व्यक्त किया।

श्रीराम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न के नामकरण, यज्ञ रक्षा हेतु विश्वामित्र के साथ वन गमन, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्वामित्र के आग्रह पर दशरथ श्रीराम को भेजने के लिये तैयार नहीं हुये **'' राम देत नहीं बनइ गुंसाई। देह प्रान तें प्रिय कछु नाहीं। सोउ मुनि देउँ निमिष एक माही।।** किन्तु जब गुरू वशिष्ठ ने उन्हें समझाया कि सब मंगल होगा राम के जन्माक्षर बता रहे हैं कि इस वर्ष इन चारों कुमारों के विवाह का योग है तो यह सुनकर दशरथ हर्षित हो गये। दशरथ सद्गुरू के अधीन थे और गुरूदेव की आज्ञा को शिरोधार्य किया।

कथा व्यास रूद्रनाथ मिश्र जी ने कहा कि जीवन में सदगुण से ही मिठास आती है। जिसके जीवन में मधुरता नही ईश्वर उसे प्रिय नही है। महादान और द्रव्यदान से भी मान दान श्रेष्ठ है। विश्वामित्र के साथ श्रीराम लक्ष्मण चले। विश्वामित्र के गुणों की चर्चा करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्व जिसका मित्र है वही विश्वामित्र है। जगत मित्र बनोगे तो राम, लक्ष्मण तुम्हारे पीछे–पीछे आयेंगे। भगवान कहते हैं जब जीव मेरे दर्शन के लिये आता है तो मैं खड़ा होकर उसे दर्शन देता हूं। ईश्वर की दृष्टि तो जीव की ओर अखण्ड रूप से है, जीव ही ईश्वर की ओर दृष्टि नहीं करता है। राम जी सभी से प्रेम करते हैं। वे हमेशा धनुष वाण अपने साथ रखते हैं। धनुष ज्ञान का और वाण विवेक का स्वरूप है। ज्ञान और विवेक से सदा सज्जित रहो क्योंकि काम रूपी राक्षस न जाने कब विघ्न करने आ जाये। जिसकी आंखों में पाप है वही राक्षस है।

यज्ञाचार्य नीरज शास्त्री ने प्राण प्रतिष्ठा वाली प्रतिमाओं को अन्नाधिवास, फल, मिष्ठान्न और वस्त्राधिवास कराया। ब्रम्हलीन बाबा महादेव दास की स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान में मुख्य रूप से प्रभात शास्त्री, आशुतोष दास, आदित्यदास, नीरज दास, ऋतिक दास, ओम नरायन, संगम शुक्ल, मुख्य यजमानगण दयाशंकर, राजकुमारी, नागेन्द्र मिश्र , राम सोहरत, शान्ती देवी, कौशल कुमार, कुसुम, सुनील पाण्डेय, मीरा देवी, सुल्ताना बाबा, सरोज मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

58 लाख रुपये हड़पने का आरोप, पुलिस में शिकायत

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज में हाइवे के किनारे मकान की रजिस्ट्री करने के नाम पर व्यापारी से 58 लाख रुपए लेने के बाद भी रजिस्ट्री न करने का मामला सामने आया है। मकान क्रेता व्यापारी ने पीपीगंज पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीपीगंज नगर पंचायत के पुराने वार्ड नंबर आठ निवासी वेद प्रकाश अग्रहरि ने पीपीगंज नगर निवासी व्यक्ति को 48 लाख रुपये आरटीजीएस के द्वारा खाते में और 10 लाख नगद देकर शुक्रवार को मकान रजिस्ट्री कराने के लिए कार्यालय पर बुलाया था। रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद रजिस्ट्री कराने वाला विक्रेता रजिस्ट्री आफिस से गायब हो गया जब व्यापारी वेद प्रकाश अग्रहरि ने फोन किया तो उसने कहा कि अब तुम हमारे जाल में फंस गए हो। हम अब मकान की रजिस्ट्री नहीं करेंगे और न ही तुम्हारा रुपया ही देंगे व्यापारी वेद प्रकाश अग्रहरि इस घटना के बाद अवसाद में आ गए और उन्होंने पीपीगंज पुलिस को तहरीर दी है। पीपीगंज पुलिस ने तहरीर लेकर आरोपो की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

दुकान में रखा छह हजार नकदी उठा ले गए चोर

संवाददाता–गोरखपुर। गोला कस्बा के चंद चौराहा स्थित एक किराने की दुकान में टिन शेड हटाकर चोर शुक्रवार की रात घुस गए और बिक्री का रखा छह हजार रुपया उठा ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर रही है। चौराहे पर स्थित कपिल किराना स्टोर की दुकान में चोर रात को दुकान में लगे टिन शेड को बगल से हटाकर घुस गए। दुकान में बिक्री का रखा छह हजार रुपया निकाल ले गए और सामान को बिखेर दिया। दुकान मालिक कपिलदेव ने तहरीर दे दिया है। थानाध्यक्ष मधुपनाथ मिश्र ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना सं. 60/2024

रेल यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नवत किया जायेगा।

गाड़ी सं0 04518/04517 चंडीगढ़–गोरखपुर–चंडीगढ़ ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 04518 चंडीगढ़ से दि–25.04.2024 से 27.06.2024 दिन बृहस्पतिवार = 10 ट्रिप
गाड़ी सं. 04517 गोरखपुर से दि–26.04.2024 से 28.06.2024 दिन शुक्रवार = 10 ट्रिप

04518 (एक्स चंडीगढ़)			04517 (एक्स गोरखपुर)	
आ0	प्र0	स्टेशन	आ0.	प्र0
-	23.15	चंडीगढ़	14.10	-
00.10	00.25	अंबाला कैण्ट	13.20	13.25
02.20	02.30	सहारनपुर	11.57	12.07
06.10	06.20	मुरादाबाद	08.40	08.48
07.40	07.42	बरेली	07.00	07.02
11.35	11.45	लखनऊ	03.00	03.10
15.30	15.35	गोण्डा	00.35	00.40
16.50	16.53	बस्ती	23.01	23.04
18.20	--	गोरखपुर	--	22.05

रेक संरचनाः–जेनरेटर सह लगेज यान–01, एसएलआरडी–01, सामान्य द्वितीय श्रेणी–04, शयनयान–06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–6, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–2, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी–1, कुल 21

गाड़ी सं0 04310/04309 देहरादून–गोरखपुर–देहरादून ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 04310 देहरादून से दि–23.04.2024 से 25.06.2024 दिन मंगलवार = 10 ट्रिप
गाड़ी सं. 04309 गोरखपुर से दि–24.04.2024 से 26.06.2024 दिन बुद्धवार = 10 ट्रिप

04310			04309	
आ0	प्र0	स्टेशन	आ0.	प्र0
-	11.00	देहरादून	08.30	-
12.30	12.35	हरिद्वार	05.20	05.30
15.25	15.30	मुरादाबाद	02.10	02.20
17.00	17.05	बरेली	00.25	00.27
18.30	18.32	शाहजहांपुर	23.20	23.22
20.35	20.45	सीतापुर	20.40	20.50
23.10	23.12	गोण्डा	17.25	17.30
00.20	00.22	बस्ती	15.55	15.57
01.30	--	गोरखपुर	--	14.55

रेक संरचनाः–शयनयान–11, सामान्य द्वितीय श्रेणी–04, वातानुकुलित द्वितीय सह तृतीय शयनयान–01 एसएलआरडी–02, कुल 18

मुजाधि/टी–07 मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 68/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मो0 जावेद आदि
बनाम
मो0 सुएब आदि

1. मो0 सुएब पुत्र कयामुद्दीन निवासी ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. मो0 कासिफ सलीम पुत्र सलीमुद्दीन 3. रफत जहॉ पत्नी सलीमुद्दीन 4. फरहा सलीम पुत्री सलीमुद्दीन पत्नी अकील अहमद 5. नगमा सलीम पुत्री सलीमुद्दीन पत्नी मो0 आमीर 6. सायमा सलीम पुत्री सलीमुद्दीन पत्नी मो0 आरफीन 7. मरियम सलीम पुत्री सलीमुद्दीन पत्नी अबू हुरेश निवासीगण ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

8. पंकज अग्रवाल पुत्र आनन्द कुमार अग्रवाल निवासी 407 आशिर्वाद एन क्लेव आई0पी0 एक्यूरेन्शन पड़पगंज नई दिल्ली हाल मुकाम शिवा कालोनी बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

9. मो0 अरशद पुत्र स्व0 कयामुद्दीन निवासी ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
प्रतिवादी चतुर्थ वर्ग

11. शैलेन्द्र पुत्र श्री इन्द्र भूषण निवासी कटरा बाईपास डमरूआ रोड तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 12. मो0 हनीफ पुत्र दोस्त मोहम्मद निवासी सदर अस्पताल चौराह स्थित ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव पोस्ट पुरानी बस्ती तहसील व जिला–बस्ती
प्रतिवादी पंचम वर्ग

तारीख पेशी 30–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

एसडीएम ने लिया धार्मिक स्थलों का जायजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित ने शनिवार को क्षेत्र के महाकाली स्थान गालापुर समेत कई धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धर्मगुरुओं व श्रद्घालुओं से बातचीत कर समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही समस्याओं के निराकरण के लिए जिम्मेदारों को निर्देशित किया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक इटवा संतोष कुमार तिवारी, पुजारी विनोद कुमार त्रिपाठी, व्यवस्थापक ठाकुर प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र के उत्थान के लिए आना होगा आगे -शोभना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। विश्व हिंदू परिषद की ओर से मातृशक्ति प्रखण्ड टाण्डा के तत्वाधान में सतीचौरा मन्दिर में बड़े ही धूमधाम से रामोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया। लोगों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों को अनुकरणीय बताया गया।

जिला मातृशक्ति की संयोजिका शोभना गुप्ता ने कहा हम सबको अपने दैनिक कार्यों से समय निकालकर राष्ट्र के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आगे आना होगा। कहा कि रानी लक्ष्मीबाई एवं रानी दुर्गावती ने जिस प्रकार भारत माता की रक्षा के लिए अपनी भूमिका निभाई वो किसी से छिपा नही है। ऐसे में हम सबको संकल्प लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करना होगा। प्रांत सत्संग प्रमुख श्याम बाबू ने कहा कि प्रभु राम ने अपने जीवन काल में जो भी मानदंड स्थापित किए थे वह जन्मजन्मांतर तक अनुकरणीय रहेगा। मौके पर पुष्पा, कुसुम, उषा, उर्मिला जायसवाल, इन्द्रकला, आशा, गिरिजा, माया, संजु, कमलेश कुमारी, रज्जो, पूनम, विंध्य, माला, अदिति गुप्ता, परी गुप्ता, सुयश कसौधन, आदित्य कसौधन, दिलीप शर्मा, अंकित गांधी व अन्य मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com